RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक: 11 ता. 04 जुलाई 2022, सोमवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सितंबर से हर महीने शुरू होंगी चार वंदे भारत ट्रेनें, सीट और डिजाइन पहले से होगा अलग

नई दिल्ली। देश में विभिन्न शहरों को जोड़ने के लिए चार सौ वंदे भारत ट्रेनों को चलाने की योजना को मूर्त रूप देने की तैयारी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार सितंबर से प्रत्येक माह चार वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत होगी। दिल्ली से भी कई शहरों के बीच यह ट्रेन चलेगी। यात्रियों की सुविधा के अनुसार इसकी सीट और डिजाइन में बदलाव किया जा रहा है।

2019 में चली पहली वंदे भारत ट्रेन

नई दिल्ली से वाराणसी के बीच चलने वाली देश की पहली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन 15 फरवरी, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। उसी वर्ष तीन अक्टूबर को गृह मंत्री अमित शाह ने कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव पर 75 वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। केंद्रीय बजट में इनकी संख्या बढ़ाकर चार सौ कर दी गई।

रेल मंत्री ने की थी घोषणा

रेल मंत्री ने पिछले दिनों दिल्ली से खजुराहो के बीच वंदे भारत ट्रेन चलाने की घोषणा की थी। साथ ही दिल्ली से चंडीगढ़, अमृतसर, जयपुर, इंदौर, लखनऊ व अन्य शहरों के बीच भी यह ट्रेन चलाने प्रस्ताव है। अगले कुछ माह में यहां से चार ट्रेनों का परिचालन शुरू हो जाएगा। इस समय दिल्ली से अलग-अलग शहरों के लिए गतिमान सहित 11 शताब्दी ट्रेनें चलती हैं। अधिकारियों का कहना है कि वंदे भारत, गतिमान, शताब्दी, तेजस और राजधानी एक्सप्रेस का संचालन होने के कारण यहां तेज गति वाली ट्रेनों के रखरखाव की व्यवस्था पहले से है। दिल्ली से अलग-अलग रेलखंड पर ट्रैक की गति क्षमता भी बढ़ाई गई है। इससे यहां से नई वंदे भारत ट्रेनों के संचालन में आसानी होगी। नई वंदे भारत ट्रेन पहले की तुलना में ज्यादा हल्की और कम ऊर्जा खपत वाली होगी। यात्रियों की शिकायत रही है कि शताब्दी के मुकाबले वंदे भारत की कुर्सियां कम सुविधाजनक हैं।

अमरावती हत्याकांड को एनआईए ने बताया आतंकी वारदात, बर्बर हत्या से दहशत फैलाना था मकसद

अमरावती के फार्मासिस्ट उमेश प्रहलादराव कोल्हे को तीन बाइक सवार इस्लामवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था, क्योंकि उसने पूर्व भाजपा नेता नुपुर शर्मा की कथित पैगंबर विरोधी टिप्पणी का समर्थन किया था।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अमरावती में उमेश कोल्हे की हत्या को आतंकी वारदात बताया है। एनआईए ने शनिवार देर रात दर्ज प्राथमिकी में कहा कि देशवासियों के एक वर्ग को आतंकित करने के मकसद से ISIS-स्टाइल में यह मर्डर किया गया। NIA इसकी भी जांच करेगी कि क्या यह मामला राष्ट्रीय साजिश का हिस्सा है या फिर विदेश से इस बर्बर अपराध को भड़काया गया है।

पीड़ित के बेटे की शिकायत के आधार पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16, 18 और 20 और धारा 34, 153 (ए), 153 (बी), 120 (बी) और 302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है। अमरावती के फार्मासिस्ट उमेश प्रहलादराव कोल्हे को तीन बाइक सवार इस्लामवादियों ने मौत के घाट उतार दिया था, क्योंकि उसने पूर्व भाजपा नेता नुपुर शर्मा की कथित पैगंबर विरोधी टिप्पणी का समर्थन किया था। FIR में मुदस्सर अहमद, शाहरुख पठान, अब्दुल तौफीक, शोएब खान, आतिब राशिद, युसूफ खान, शाहिम अहमद और इरफान खान को अज्ञात लोगों के साथ आरोपी बनाया गया है।

धर्म के आधार पर दुश्मनी को बढ़ावा देने की कोशिश

NIA की FIR के मुताबिक, मृतक उमेश कोल्हे की निर्मम हत्या आरोपियों और अन्य लोगों की एक बड़ी साजिश थी, जिन्होंने भारत के लोगों के एक वर्ग के बीच आतंक फैलाने की कोशिश की। साथ ही धर्म के आधार पर दुश्मनी को बढ़ावा देना इसका मकसद था। इस वारदात को 21 जून की रात 10:00 से 10:30 बजे के बीच अंजाम दिया गया। मालूम हो कि एनआईए ने शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय के उस आदेश के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें नोडल संघीय जांच एजेंसी को मामले की जांच के लिए कहा गया था।

पुलिस ने लूट के मकसद से कई गई हत्या बताया-अमरावती पुलिस ने इस वारदात को लूट के मकसद से कई गई हत्या का मामला दर्ज किया था। एनआईए की प्राथमिकी यह साफ करती है कि पीड़ित के शॉप से कुछ भी चोरी नहीं हुआ था। ऐसे में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली एमवीए सरकार के तहत राज्य की पुलिस पर गंभीर सवाल उठते हैं। तथ्य यह है कि राज्य पुलिस के डीजीपी ने पूछने के बावजूद घटना के बारे में केंद्र को कोई रिपोर्ट नहीं भेजी, बल्कि एनआईए की ओर से मामले को उठाने का इंतजार किया।

पीड़ित के बेटे की शिकायत के आधार पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) की धारा 16, 18 और 20 और धारा 34, 153 (ए), 153 (बी), 120 (बी) और 302 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजी 2500 मीट्रिक टन गेहूं की एक और खेप, कुल 50,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजने का लक्ष्य

अमृतसर। भारत ने मानवीय सहायता के रूप में अफगानिस्तान को 2500 मीट्रिक टन गेहूं की एक और खेप भेजी है। इसे अटारी-वाघा सीमा के रास्ते भेजा गया। इस संबंध में सीमा शुल्क के संयुक्त आयुक्त बलबीर मंगत ने कहा कि अब तक अफगानिस्तान को कुल 36 हजार मीट्रिक टन गेहूं भेजा जा चुका है। भारत ने कुल 50,000 मीट्रिक टन गेहूं भेजने का लक्ष्य निर्धारित किया था, जिसमें से अब केवल 14,000 मीट्रिक टन गेहूं और भेजा जाना बाकी है।

विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत ने अफगानिस्तान को गेहूं की एक और खेप भेजी है। वहां के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ है। भारत विश्व खाद्य कार्यक्रम के अंतर्गत अफगानिस्तान को 50,000 मीट्रिक टन गेहूं की मानवीय सहायता करेगा। इसी केअंतर्गत यह सहायता भेजी जा रही है। गौरतलब है कि भारत ने घोषणा की थी कि वह पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान को 50,000 मीट्रिक टन (एमटी) गेहूं भेजेगा।

भारत से 2,500 टन गेहूं की मानवीय सहायता की पहली खेप 26 फरवरी को पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान के जलालाबाद पहुंची, जबकि भारत की मानवीय सहायता का दूसरा काफिला 2,000 मीट्रिक टन गेहूं लेकर 3 मार्च को अटारी, अमृतसर से जलालाबाद, अफगानिस्तान के लिए रवाना हुआ। इसके अलावा, भारत ने 8 मार्च को अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से 40 ट्रकों में अफगानिस्तान में 2,000 मीट्रिक टन गेहूं की तीसरी खेप भेजी। 2,000 मीट्रिक टन गेहूं की चौथी खेप 15 मार्च को अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से अफगानिस्तान के लिए भेजी गई थी।

पाकिस्तान सरकार ने नवंबर 2021 में, अफगान लोगों के लिए एक विशेष मदद के रूप में, मानवीय सहायता के लिए असाधारण आधार पर वाघा सीमा के माध्यम से भारत से अफगानिस्तान में मानवीय सहायता के रूप में 50,000 मीट्रिक टन गेहूं और जीवन रक्षक दवाओं के परिवहन को मंजूरी दी थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार। मानवीय सहायता के परिवहन के लिए दी गई समयावधि 21 मार्च 2022 को समाप्त हो गई।

अमरावती मर्डर को लेकर नवनीत राणा ने पुलिस चीफ पर उठाए सवाल, कहा

डकैती का शक्ल देने की कोशिश; जांच की मांग

मुंबई। अमरावती की सांसद नवनीत राणा ने सिटी कमिश्नर पर केमिस्ट की हत्या मामले को दबाने का आरोप लगाया है। राणा ने कहा कि शहर की पुलिस आयुक्त आरती सिंह ने हत्या को डकैती के तौर पर पेश करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ÷12 दिनों के बाद वह घटना पर सफाई दे रही हैं। उन्होंने पहले कहा कि यह एक डकैती थी और मामले को दबाने की कोशिश की। अमरावती के पुलिस आयुक्त के खिलाफ भी जांच होनी चाहिए। निर्दलीय सांसद ने यह भी कहा कि उन्होंने मामले को लेकर गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा था, जिसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कार्रवाई की। जांच के लिए एनआईए की टीम अमरावती पहुंची। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्रालय के प्रवक्ता ने ट्वीट कर कहा कि मामला केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया है।

हनुमान चालीसा मामले में हुई थी राणा दंपति की गिरफ्तारी

मालूम हो कि नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को अप्रैल में महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के निजी आवास 'मातोश्री' के बाहर उनकी ओर से हनुमान चालीसा का पाठ करने के ऐलान के बाद हुई। हालांकि, दंपति ने बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अगले दिन शहर के दौरे का हवाला देते हुए योजना को छोड़ दिया था। अमरावती में केमिस्ट की हत्या के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। यह इस मामले में सातवीं गिरफ्तारी है। पुलिस ने कहा कि यह हत्या का संबंध भाजपा की निलंबित नेता नुपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट से हो सकता है। सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि एनआईए की टीम अमरावती पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि राज्य पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते (एटीएस) की एक टीम भी अमरावती शहर पहुंच रही

उदयपुर में हालात हुए सामान्य, जिला प्रशासन ने कर्फ्यू में दी 10 घंटे की छूट

नई दिल्ली। राजस्थान के उदयपुर में कन्हैयालाल की हत्या के बाद अब हालात सामान्य होने लगे हैं। जिला प्रशासन ने भी शहर के हालात को देखते हुए लोगों को राहत दी है।

जिला प्रशासन ने कर्फ्यू में 10 घंटों की छूट दी है। सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक ये छूट दी गई है। इस दौरान लोग शहर में खरीदारी करते हुए नजर आए। वहीं, भारत में पिछले 24 घंटों में Covid-19 के 16,103 नए मामले सामने आए हैं। जबकि 13,929 ठीक हुए और 31 लोगों की मौत हुई। मौसम विभाग ने आज देश के कई हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर भारत में आज मौसम सामान्य रहेगा। एक दो स्थानों पर छिटपुट बारिश हो सकती है। राजधानी दिल्ली में 2 दिन बाद भारी बारिश की चेतावनी है।

पानी के लिए धरने पर बैठे विधायक राकेश सिंघा, जाम में फंसने से मरीज की मौत, MLA पर एफआईआर

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में माकपा के एकमात्र विधायक राकेश सिंघा और पार्टी के 11 अन्य नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उनपर चक्काजाम में फंसने के कारण हुई एक मरीज की मौत का आरोप लगा है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि शुक्रवार को 34 किलोमीटर दूर बेखलटी में एनएच-5 पर एक नाकाबंदी से गुजरने नहीं देने की वजह से अस्थमा रोगी की मौत हो गई। शिमला जिले की ठियोग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सिंघा और अन्य आरोपी इलाके में अनियमित पानी की आपूर्ति को लेकर विरोध कर रहे थे। विधायक के नेतृत्व में भेखलटी में चक्का जाम किया गया था। इसकी वजह से सड़क पर जाम लगा हुआ था। उनपर आईपीसी की

धारा 341, 143 और 304ए के तहत गलत तरीके से रोकने, गैरकानूनी रूप से इकट्ठा होने और लापरवाही से मौत का कारण का मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता सुरेश कुमार ने आरोप लगाया कि वह अपने ससुर सुखचैन सिंह को उनके पैतृक गांव चिरगांव (रोहरू) ले जा रहे थे, जब उनका वाहन फागू से शुरू होने वाले लंबे ट्रैफिक जाम में फंस गया। इसकी वजह नाकाबंदी थी। उन्होंने बताया किउनके ससुर को कुछ घंटे पहले शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से छुट्टी दी गई थी और डॉक्टरों ने उन्हें आपात स्थिति में नजदीकी अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। माकपा नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए सुरेश ने कहा, उन्होंने सांस फूलने की शिकायत की, लेकिन हमारी गाड़ी जाम में फंस गई। बड़ी मुश्किल और 75 मिनट की देरी के बाद पुलिस ने नाकाबंदी पार करने में हमारी मदद की और हम ठियोग के अस्पताल पहुंचे। लेकिन इस देरी की वजह से उनकी मौत हो गई। सुरेश का कहना है कि अगर समय रहते अस्पताल पहुंच जाते तो ससुर की जान बच सकती थी।

समय से पहले पूरे देश में पहुंचा मानसून, अगले पांच दिनों तक इन राज्यों में होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली। राजस्थान और गुजरात के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को हुई बरसात के साथ ही दक्षिण पश्चिम मानसून पूरे देश में समय से छह दिन पहले ही पहुंच गया है। केरल में भी सामान्य समय एक जून से तीन दिन पहले ही 29 मई को मानसून पहुंच गया था। भारत के मौसम विज्ञान विभाग (आइएमडी) ने कहा कि दक्षिण पश्चिम मानसून के पूरे देश में पहुंचने की सामान्य तिथि आठ जुलाई है। आइएमडी ने जुलाई में उत्तर भारत के कुछ हिस्सों, मध्य भारत और दक्षिण प्रायद्वीप के अधिकतर हिस्सों में %सामान्य और सामान्य से अधिक% बारिश की भविष्यवाणी की है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज छत्तीसगढ़ और ओडिशा में अलग-अलग जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, असम और मेघालय में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक नागालैंड, मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा, गुजरात राज्य, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, तटीय कर्नाटक और केरल और माहे

में भी भारी बारिश हो सकती है। वहीं दिल्ली-एनसीआर में अगले तीन दिन हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पिछले दो दिन में हुई हल्की से मध्यम बारिश के बाद कई हिस्सों में जलजमाव की खबरें सामने आई थी।

अगले पांच दिन में ओडिशा समेत कई क्षेत्रों में झमाझम बरसात

आइएमडी की भविष्यवाणी के मुताबिक अगले पांच दिन के दौरान ओडिशा, गुजरात, कोंकण और गोवा में जोरदार बारिश की संभावना है। मध्य भारत में चार और पांच जुलाई को और पश्चिमोत्तर भारत में पांच और छह जुलाई को झमाझम बरसात हो सकती है। उत्तर ओडिशा के ऊपर बन रहा कम दबाव का क्षेत्र बांग्लादेश के ऊपर चक्रवात की स्थिति बन रही है। ओडिशा के उत्तर में कम दबाव का क्षेत्र भी बनने के संकेत मिले हैं। इससे संबंधित क्षेत्र के साथ ही मध्य भारत में मानसूनी बारिश में तेजी आ सकती है।

जुलाई में क्या रहेगी बारिश की स्थिति

आइएमडी ने कहा कि राजस्थान को छोड़कर मानसून के कोर क्षेत्र में पड़ने वाले सभी राज्यों में कम बारिश हुई है। मानसून के कोर जोन में राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ और ओडिशा आते हैं जहां कृषि बारिश पर आधारित है। विभाग के अनुसार दो जुलाई तक गुजरात में दीर्घकालिक औसत (एलपीए) से 37 प्रतिशत कम बरसात हुई। इसी तरह ओडिशा में 34, महाराष्ट्र में 25, छत्तीसगढ़ में 25 और मध्य प्रदेश में 15 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई। जबकि, राजस्थान में एलपीए से 33 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई है। जुलाई में 280 मिलीमीटर बारिश की उम्मीद विभाग के अनुसार 1971-2020 के दौरान हुई बारिश के औसत के आधार पर 94 प्रतिशत से 106 प्रतिशत के बीच बरसात को सामान्य माना जाता है। जुलाई में देश में 280.4 मिलीमीटर बारिश होने की उम्मीद जताई गई है।

40 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

श्रीनगर। इस साल अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक पांच तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है जबकि 40 हजार से अधिक श्रद्धालु दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक यात्रा के चंदनवाड़ी-शेषनाग मार्ग से वीरेंद्र गुप्ता नाम का एक तीर्थयात्री लापता हो गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पांच में से तीन लोगों की मौत हृदय गति रुक जाने के कारण हुई। दिल्ली के जय प्रकाश की चंदनवाड़ी में मौत हो गयी, बरेली के देवेंद्र तायल (53) की निचली गुफा में और बिहार के लिपो शर्मा (40) की काजीगुंड कैंप में मौत हो गई। महाराष्ट्र के जगन्नाथ (61) की पिस्सू टॉप में अन्य स्वास्थ्य कारणों की वजह से मौत हो गयी जबकि राजस्थान केआशु सिंह (46) की एमजी टॉप पर घोड़े से गिरने के कारण मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि रविवार सुबह 10 बजे तक 40,233 तीर्थयात्री गुफा में प्राकृतिक रूप से निर्मित बर्फ के शिवलिंग के दर्शन कर पूजा अर्चना कर चुके हैं। वार्षिक 43-दिवसीय अमरनाथ यात्रा 30 जून को दोनों आधार शिविरों - दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में नुनवान-पहलगाम मार्ग और मध्य कश्मीर के गांदरबल में बालटाल मार्ग से शुरू हुई। यात्रा 11 अगस्त को रक्षा बंधन के अवसर पर समाप्त होगी।

लश्कर के दो आतंकवादियों को ग्रामीणों ने दबोचा, पुलिस को सौंपा

जम्मू। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में रविवार को ग्रामीणों ने भारी हथियारों से लैस लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के दो आतंकवादियों, जिनमें एक 'मोस्ट वांटेड' कमांडर भी शामिल था, को काबू में कर पुलिस को सौंप दिया। उन्होंने कहा कि राजौरी जिले के निवासी लश्कर कमांडर तालिब हुसैन और जिले में हाल में हुए आईईडी विस्फोटों के मास्टरमाइंड तथा दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के आतंकवादी फैजल अहमद डार को तुकसन गांव में पकड़ लिया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों के पास से दो एके राइफल, सात ग्रेनेड और एक पिस्तौल बरामद किये गये हैं। पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने ग्रामीणों को उनकी बहादुरी के लिए दो लाख रुपये का नकद इनाम देने की घोषणा की।

बम की बात सुनते ही केरल एयरपोर्ट पर मच गया हड़कंप

कन्नूर । केरल के कोच्चि इंटरनेशनल एयरपोर्ट से ऐसा मामला सामने आया है जहां एक शब्द का इस्तेमाल करना दंपति को भारी पड़ गया। ये शब्द था बम। दरअसल, 63 साल का शख्स पत्नी के साथ कोच्चि एयरपोर्ट से विदेश जा रहा था। दोनों जैसे ही चेक-इन करने पहुंचे तो उन्हें वहीं रोक दिया गया और फ्लाइट में नहीं बैठने दिया गया। एक न्यूज एजेंसी के मुताबिक बुजुर्ग पति-पत्नी शनिवार दोपहर के बाद हवाईअड्डे पहुंचे थे। इस दौरान जैसे ही चेक-इन काउंटर पर कर्मचारियों ने दंपती से पूछा कि उनके सामान में क्या है? नाराज होकर पति ने कहा बम। यह सुनते ही हड़कंप मच गया और आनन-फानन में एयरपोर्ट की सिक्योरिटी को सूचित किया गया। इसके बाद बुजुर्ग को स्थानीय थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन उनको बाद में थाने की जमानत पर रिहा कर दिया गया और आगे से ऐसा न करने की हिदायत भी दी है।

सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में अहम खुलासा: गैंगस्टरों को पनाह देने वाला पूर्व अकाली मंत्री का भतीजा

लुधियाना । सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में शूटरों को हथियार सप्लाई करने के आरोप में पकड़े गए सतबीर सिंह ने कई अहम खुलासे किए हैं। पूछताछ के दौरान सामने आया है कि सतबीर सिंह सिर्फ संदीप काहलों को जानता था। संदीप काहलों बी.डी.पी.ओ. की पोस्ट पर है जोकि पूर्व अकाली मंत्री का भतीजा है। मनदीप सिंह उर्फ तूफान और मनप्रीत सिंह उर्फ रईया दोनों ही अपने एक अन्य साथी के साथ संदीप काहलों की कोठी पर ठहरे हुए थे। पता चला है कि संदीप ने ही सतबीर सिंह को मनदीप, मनप्रीत और उसके तीसरे साथी को बठिंडा छोड़ने के लिए कहा था। सतबीर को यह भी पता नहीं था कि उसके साथ बैठे युवक शूटर हैं। वे शूटर जग्गू भगवानपुरिया के राइट हैंड माने जाते हैं जो कि जग्गू के इशारे पर ही काम करते थे। अब पुलिस संदीप सिंह काहलों को पकड़ने के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस टीमों ने संदीप के घर पर भी छापेमारी की थी मगर वह फरार चल रहा है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि संदीप के पकड़े जाने के बाद कई अहम खुलासे हो सकते हैं। सतबीर सिंह को पकड़ने के बाद जब बी.डी.पी.ओ. संदीप काहलों का नाम सामने आया तो पुलिस प्रशासन ने उसे पकड़ने की योजना बनाई थी। उच्चाधिकारियों से बात कर उन्होंने सभी बी.डी.पी.ओ.की बैठक बुलाई थी लेकिन तब तक संदीप सतर्क हो चुका था। वह सरकार द्वारा बुलाई गई बैठक में भी शामिल नहीं हुआ था इसलिए वह पुलिस के हाथ से निकल गया।

अग्निपथ योजना के खिलाफ दिल्ली विधानसभा में पेश किया जा सकता है प्रस्ताव

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार आगामी विधानसभा सत्र के दौरान केंद्र की अग्निपथ रक्षा भर्ती योजना के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश कर सकती है। पार्टी सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने बृहस्पतिवार को विवादास्पद योजना के खिलाफ एक प्रस्ताव पारित किया था। केंद्र सरकार द्वारा 14 जून को घोषित की गई इस योजना को लेकर देश के कई हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। सूत्रों ने कहा, दिल्ली विधानसभा में ऐसा प्रस्ताव लाए जाने और उसपर चर्चा होने की संभावना है। दिल्ली विधानसभा का दो-दिवसीय सत्र चार जुलाई से शुरू होगा।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बोले, जम्मू कश्मीर में मतदाता सूची में संशोधन के बाद होंगे चुनाव

श्रीनगर। लोकतंत्र को भारत की आत्मा बताते हुए जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद केंद्र शासित प्रदेश में निश्चित रूप से चुनाव होंगे और राज्य का दर्जा ''उचित समय'' पर बहाल होगा। सिन्हा ने यह टिप्पणी शनिवार देर रात यहां एक कार्यक्रम में की, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कर्ण सिंह ने विधानसभा चुनाव कराने और जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई। पूर्ववर्ती राज्य में योगदान के लिए सिंह को सम्मानित करने के मकसद से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। सिन्हा ने कहा, ''लोकतंत्र भारत की आत्मा है। लोकतंत्र और भारत एक दूसरे के पर्याय हैं। प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्री ने संसद में कई बार कहा है कि चुनाव (जम्मू कश्मीर में) होंगे।'' उपराज्यपाल ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और मतदाता सूची में संशोधन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा, इसके बाद निश्चित तौर पर चुनाव होंगे। जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग का जिक्र करते हुए सिन्हा ने कहा, ''कई बार यह भी कहा गया है कि (पहले) परिसीमन, फिर चुनाव, फिर उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल होगा। मुझे नहीं लगता कि इसमें शक की कोई गुंजाइश है।'' केंद्र ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द कर दिया था।

हरियाणा: फ्लाईओवर पर बड़ा हादसा- दौड़ रहे 5 युवकों को कार ने रौंदा, 2 की मौत, तीन गंभीर

पलवल । हरियाणा के पलवल में फ्लाईओवर पर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया है। यहां सुबह केजीपी फ्लाईओवर पर साइड में दौड़ लगा रहे पांच युवकों को एक कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर मौत हो गई। जबकि तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। कार के चालक के बारे में कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने कहा है कि मामले में अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। उसकी तलाश की जा रही है। मरने वाले लड़के पेलक गांव के रहने वाले हैं। वे गांव के ही दोस्तों के साथ रोजाना दौड़ने के लिए जाते थे। घटना के बाद पेलक गांव में मातम का माहौल है। इससे पहले यूपी के गाजियाबाद में बुधवार देर रात तेज रफ्तार दो बाइक सवारों ने फ्लाईओवर पर एक सफाईकर्मी को जोरदार टक्कर मार दी थी। इससे तीनों फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे। पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया, जहां सभी की मौत हो गई थी।

गुजरात दंगा से लेकर नॉर्थ ईस्ट की समस्या तक सभी पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बोले शाह,

देश में अगले 30-40 साल बीजेपी ही रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बीजेपी के चाणक्य, चुनावी रणनीतिकार, मास्टरमाइंड जैसे विशेषणों से नवाजे जाने वाले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पार्टी को लेकर ऐसा बयान दिया है जिसे सुनकर विपक्ष के होश फाख्ता हो जाएंगे। अमित शाह ने कहा है कि आने वाले 30 से 40 सालों तक उनकी पार्टी यानी बीजेपी का युग रहेगा। उन्होंने कहा कि तीन चार दशकों में भारत एक विश्व गुरु बनेगा। हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव पेश करते हुए शाह ने गुजरात दंगा से लेकर नॉर्थ ईस्ट की समस्या तक सभी विषयों पर अपने विचार रखे।

30-40 सालों तक बीजेपी का युग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अगले 30-40 साल तक भाजपा का युग रहेगा और भारत 'विश्वगुरु' बनेगा। राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक के दौरान पारित राजनीतिक प्रस्ताव पर अपनी बात रखते हुए शाह ने विपक्षी दलों को बिखरा हुआ बताया और कांग्रेस पर करारा हमला करते हुए कहा कि देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए उसके ही सदस्य लड़ रहे है लेकिन ''गांधी परिवार'' डर के कारण अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं करा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले 30-40 साल तक उनकी पार्टी भाजपा का युग रहेगा तथा भारत 'विश्वगुरु' बनेगा।

गुजरात दंगों पर रट का फैसला ऐतिहासिक

शाह ने गुजरात दंगों पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि सभी आरोपों को सुप्रीम कोर्ट ने झूठा करार दिया और अदालत ने इसे राजनीति से प्रेरित बताया। एचएम ने कहा कि आज विपक्ष बंटा हुआ है। कांग्रेस सदस्य पार्टी में लोकतंत्र स्थापित करने के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन डर के मारे पार्टी अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर रहे हैं। कांग्रेस को 'मोदी फोबिया' है।

2024 तक पूर्वोत्तर के सभी मुद्दों का समाधान

अमित शाह, जिन्होंने पूर्वोत्तर राज्यों के लंबे समय से लंबित मुद्दों को हल करने के लिए कई कदम उठाए, ने रविवार को कहा कि भाजपा को इस क्षेत्र में एक ÷स्थायी पता÷ मिल गया है। उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में इस क्षेत्र में और कोई समस्या नहीं होगी और 2024 तक इसके सभी मुद्दों का समाधान कर दिया जाएगा।

असम में बाढ़ का कोहराम, 22.17 लाख से अधिक लोग फंसे, मरने वालों संख्या 174 तक पहुंची

गुवाहाटी । पूर्वोत्तर राज्य असम में भारी बारिश ने कोहराम मचा रखा है यहां के 35 जिलों में से 27 में 22.17 लाख से अधिक लोग अभी भी फंसे हुए हैं, जिसमें भूस्खलन के साथ-साथ अब तक 174 लोगों की मौत हो चुकी है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों ने कहा कि अप्रैल से अब तक 156 लोगों ने प्री-मानसून और मानसून बाढ़ में अपनी जान गंवा दी, जबकि असम के विभिन्न जिलों में भूस्खलन में 18 अन्य लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा कि 27 जिलों के 1,934 गांवों में 50,714 हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र अभी भी जलमग्न है, जबकि राज्य में लगातार बारिश के कारण बाढ़ की स्थिति बिगड़ती जा रही है। 2.77 लाख से अधिक पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने 404 राहत शिविरों में शरण ली है और जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित जिलों में राहत और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं। एएसडीएमए के एक अधिकारी ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों का दौरा करने के बाद, दो अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों (आईएमसीटी) ने शनिवार को मुख्य सचिव जिष्णु बरुआ और असम सरकार के अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल , राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए।

भाजपा कर रही है 'रचनात्मक' राजनीति, विपक्षी दलों की भूमिका 'विनाशकारी': नड्डा

हैदराबाद (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और पार्टी शासित राज्यों की सरकारें जहां ''रचनात्मक'' राजनीति कर रही हैं, वहीं ''भष्ट्राचार और वंशवाद'' की राजनीति करने वाले विपक्षी दल राष्ट्र को सशक्त करने वाली योजनाओं में बाधा उत्पन्न कर और सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कदमों पर सवाल उठाकर ''विनाशकारी'' राजनीति कर रहे हैं। नड्डा ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए यह बातें कही।

अध्यक्षीय भाषण पर पार्टी की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, नड्डा ने विपक्षी दलों पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार और ''थोथी राजनीति'' कर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा शासित राज्यों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के आधार पर विकास की राजनीति हो रही है, जबकि विपक्ष शासित राज्य में तुष्टीकरण की घोर पराकाष्ठा की राजनीति हो रही है। उन्होंने कहा, ''जहां एक ओर भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास के नए आयाम गढ़ रहा है, वहीं विपक्ष का व्यवहार अत्यंत ही गैर-जिम्मेदाराना रहा है। विपक्ष तर्कविहीन थोथी राजनीति कर देश की जनता को गुमराह कर रहा है।''उन्होंने कहा कि विपक्ष ने टीकों और टीकाकरण, कृषि सुधार कानूनों, सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक, लद्दाख व डोकलाम के मुद्दों तथा राफेल लड़ाकू विमान पर भी जनता को गुमराह किया। उन्होंने कहा, ''देशहित के लिए जरूरी सुधारों को अटकाना, लटकाना और भटकाना ही विपक्ष का उद्देश्य रह गया है। दुर्भाग्य की बात यह है कि भाजपा और प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते विपक्ष अब देश के विरोध पर उतारू हो गया है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इसके विपरीत भाजपा शासित राज्यों में गरीबों के सबसे अधिक मकान बनाने,ग्राम विकास में सबसे आगे रहने, सड़कें बनाने, गरीबों तक राशन पहुंचाने जैसे विकास के मुद्दों पर प्रतिस्पर्धा हो रही है तो विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में इस बात की प्रतिस्पर्धा है कि तुष्टीकरण की राजनीति में कौन आगे है, गरीबों का राशन लूटने में कौन सबसे अधिक आगे है, भ्रष्टाचार में कौन सबसे आगे है और परिवारवाद की राजनीति में कौन सबसे आगे है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति खत्म हुई है और विकासवाद, राजनीति का केंद्र बिंदु बना है। उन्होंने कहा, ''उनके नेतृत्व में देश की राजनैतिक कार्य संस्कृति भी बदली है। मोदी सरकार अति सक्रिय, अति जवाबदेह और गरीब-हितैषी सरकार है, जो जनसेवा के लिए सतत कटिबद्ध रहती है। प्रधानमंत्री ने देश के लोकतंत्र में 'पॉलिटिक्स ऑफ़ परफॉरमेंस' और विकासवाद के सिद्धांत को स्थापित किया है।''

इससे पहले, अध्यक्षीय भाषण के प्रमुख अंशों से पत्रकारों को अवगत कराते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा, ''एक तरफ भाजपा सरकारें रचनात्मक राजनीति कर रही हैं और राष्ट्र निर्माण को समर्पित हैं, तो दूसरी ओर विपक्ष की सतत कोशिश राष्ट्र को गुमराह करने की है।'' ईरानी के मुताबिक, भाजपा अध्यक्ष ने पश्चिम बंगाल, केरल और जम्मू कश्मीर में पार्टी के कार्यकर्ताओं की हत्या का उल्लेख किया और उनके बलिदान को नमन किया। नड्डा ने अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के आठ वर्षों के दौरान किए गए कार्यों, खासकर गरीब कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जमकर सराहना की।

नुपूर शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी केवल मौखिक है, कोई लिखित फैसला नहीं : किरेन रिजिजू

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा की निलंबित नेता और पूर्व प्रवक्ता नुपूर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद वाले बयान पर एक बार फिर माहौल गर्मा गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उनकी वजह से देश में हिंसक घटनाएं हुईं और उदयपुर हत्याकांड के लिए भी वही जिम्मेदार हैं। इस मामले पर कानून मंत्री किरेन रिजिजू का बयान सामने आया है। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने शीर्ष अदालत की टिप्पणी को लेकर कहा कि इस मामले की चर्चा उचित प्लेटफॉर्म पर की जाएगी। हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने पहुंचे रिजिजू ने कहा कि एक कानून मंत्री के रूप में मेरे लिए सुप्रीम कोर्ट की बेंच की ओर से नूपुर शर्मा को लेकर की गई टिप्पणी पर कुछ कहना उचित नहीं है।

इसके साथ ही रिजिजू ने कहा कि शीर्ष अदालत ने नूपुर शर्मा के बारे में जो कुछ भी कहा है, वह सिर्फ एक मौखिक टिप्पणी है। यह लिखित फैसला नहीं है। इसलिए टिप्पणी अनावश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय जनता पार्टी से निलंबित नेता नुपूर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ 'व्यथित करने वाली' टिप्पणी को लेकर उन्हें शुक्रवार को फटकार लगाते हुए कहा कि इस बयान के कारण देश भर में दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुईं और इसने लोगों की भावनाओं को भड़काया।

विपक्षी खेमे ने एक साथ शीर्ष अदालत की टिप्पणी का इस्तेमाल करते हुए भाजपा की आलोचना की है। कांग्रेस के महासचिवों में से एक जयराम रमेश ने कहा, शीर्ष अदालत ने सही कहा है कि इस प्रकरण में भावनाएं भड़काने के लिए सिर्फ नुपुर जिम्मेदार हैं तथा ऐसे में भाजपा का सिर शर्म से झुक जाना चाहिए। तृणमूल (टीएमसी) ने ट्वीट किया कि यह शर्म की बात है कि नूपुर शर्मा को अमित शाह और दिल्ली पुलिस द्वारा कवर किया जा रहा है। बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ने कहा, %शीर्ष अदालत ने कहा है कि पूरे देश में आग लगाने के लिए नूपुर शर्मा ही जिम्मेदार हैं।

अमरिंदर सिंह के बीजेपी जॉइन करने से बढ़ सकती हैं कांग्रेस की मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पंजाब में कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह अपनी पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय कर लेते हैं, तो कांग्रेस के लिए अपने विधायकों और सांसदों को एकजुट रखना आसान नहीं होगा। वहीं, प्रदेश संगठन भी कमजोर होगा। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के बावजूद कांग्रेस 13 में से आठ सीट जीतने में कामयाब रही थी। केरल के बाद पार्टी के पंजाब और तमिलनाडु से सबसे ज्यादा आठ-आठ लोकसभा सांसद हैं। केरल से पार्टी के 15 लोकसभा सांसद हैं। प्रदेश कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि कैप्टन अमरिंदर के भाजपा में जाने के बाद कई सांसद भी पाला बदल सकते हैं। लोकसभा सांसद परनीत कौर कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी हैं। इसके अलावा कई अन्य सांसद भी कैप्टन के भरोसेमंद माने जाते हैं। कई विधायकों से भी उनके अच्छे रिश्ते हैं। ऐसे में कैप्टन अपनी पार्टी का भाजपा में विलय करते हैं, तो कुछ लोकसभा सांसद और विधायक हाथ छोड़ सकते हैं। ऐसा होता है तो आने वाले दिनों में कांग्रेस की चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। कैप्टन अमरिंदर सिंह की पार्टी पंजाब लोक कांग्रेस के भाजपा में विलय से पहले पार्टी के कई नेता भाजपा का दामन थाम चुके हैं। इनमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ भी शामिल हैं। जाखड़ के कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से भी अच्छे रिश्ते थे। पार्टी के एक नेता ने कहा, कैप्टन के जरिए भाजपा की नजर कांग्रेस के सांसद, विधायकों और वोटबैंक पर है।

उदयपुर और अमरावती की की घटना पर बोले केजरीवाल, देश में जो भी मौजूदा समय में हो रहा है वह ठीक नहीं

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि उंगली उठाने के बजाय सरकार व लोगों को मिलकर उस हालात को सामान्य करने के लिए काम करना चाहिए, जिसकी वजह से उदयपुर और अमरावती की हत्याएं हुईं। राजस्थान के उदयपुर में 28 जून को दर्जी कन्हैयालाल की हत्या कर दी गई थी जबकि 21 जून को महाराष्ट्र के अमरावती में दवाविक्रेता (केमिस्ट) की हत्या कर दी गई। पुलिस का दावा है कि दोनों हत्याएं भाजपा की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा की पैगंबर मोहम्मद पर दी गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का सोशल मीडिया पर समर्थन करने की वजह से की गई है। दोनों ही मामलों की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) कर रही है। इन दोनों हत्याओं के बारे में पूछे जाने पर केजरीवाल ने कहा कि देश में जो भी मौजूदा समय में हो रहा है वह ठीक नहीं है और वह इनकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं।

उन्होंने कहा, ''इस तरह देश प्रगति नहीं कर सकता। देश में शांति की जरूरत है और सभी को एक साथ रहना चाहिए। मैंने कड़े शब्दों में इसकी निंदा की है और मैं दोबारा इसकी निंदा करता हूं। उम्मीद करता हूं कि आरोपियों को यथाशीघ्र गिरफ्तार कर कड़ी सजा दी जाएगी ताकि दूसरे इस तरह का अपराध करने की हिम्मत नहीं कर सके।'' जब उनसे पूछा गया कि वह इन घटनाओं के लिए किसे जिम्मेदार मानते हैं तो आप प्रमुख ने कहा, ''उंगली उठाने से कुछ नहीं होगा। जरूरत है कि सरकार और लोग हालात को सामान्य करने के लिए एक साथ आए।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर हैं जहां पर इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि आप का गुजरात में इतने कम समय में विस्तार छोटी बात नहीं है। केजरीवाल ने दावा किया कि राज्य की जनता 27 साल के भाजपा शासन से उब चुकी है।''

केजरीवाल ने कहा, ''इस बार लोग आप को बड़ी उम्मीद से देख रहे हैं। आज,करीब 7,500 (नव नियुक्त) आप पदाधिकारी शपथ लेंगे। कम समय में इतना विस्तार छोटी बात नहीं है।'' दिल्ली के मुख्यमंत्री ने दावा किया, ''जनता 27 साल के भाजपा शासन से उब चुकी है। भाजपा मानती है कि कांग्रेस उसका विकल्प नहीं हो सकती है। यहां तक जनता ने जब पिछले चुनाव में कांग्रेस पर दोबारा भरोसा किया और उसके कई प्रत्याशियों को समर्थन दिया तब कई विधायक पार्टी छोड़ भाजपा में शामिल हो गए। इसलिए उसमें अहंकार है।'' केजरीवाल सोमवार को मुफ्त बिजली के वादे पर 'टाउनहॉल'का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा, ''आप को पूरा भरोसा है कि गुजरात में वह अगली सरकार बनाएगी।

बार-बार संक्रमण से प्रतिरोधक क्षमता होती है प्रभावित, लॉन्ग कोविड संभव : डब्ल्यूएचओ विशेषज्ञ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना के घातक वायरस का संक्रमण देश में फिर बढ़ रहा है। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के एक अधिकारी ने कहा कि यह सिद्धांत कि यदि कोई कोविड से संक्रमित लोगों की प्रतिरक्षा बढ़ती है और वह भविष्य में संक्रमण से लड़ सकते हैं यह पूरी तरह से सच नहीं हो सकता। डब्ल्यूएचओ के अधिकारी डेविड नाबरो ने कहा कि बार बार संक्रमण होने से इम्युनिटी कमजोर होने से लंबे समय तक संक्रमित बने रहने का खतरा बना रहता है। नाबरो ने कहा कि बार बार कोविड का संक्रमण होने से शरीर में प्रतिरक्षा नहीं बन पाती क्योंकि वायरस हमेशा ही अपना स्वरूप बदलता रहता है और इससे आप अधिक लंबे समय तक कोविड से संक्रमित रह सकते है।

उन्होंने कहा कि जितनी अधिक बार आप कोविड की चपेट में आएंगे उतनी अधिक संभावना है कि आप बदकिस्मत होंगे और संक्रमण पहले से अधिक दिनों तक आपको बीमार रख सकता है। ऐसी परिस्थिति का सामना हममें से कोई भी नहीं करना चाहता, क्योंकि यह बेहद गंभीर हो सकता है। यह आपके जीवन की रफ्तार को कई महीनों तक रोक सकता है। लॉन्ग कोविड को बीमारी की शुरुआत के चार सप्ताह या उससे अधिक समय के बाद सामने आने वाले लक्षणों के रूप में परिभाषित किया गया है। थकान आना, सांस की तकलीफ, एकाग्रता में कमी, जोड़ों में दर्द होना जैसे कई लक्षण लंबे समय तक कोविड के असर को दिखाते हैं। ये सभी लक्षण आपके दैनिक गतिविधियों पर भी प्रभाव डाल सकते हैं।

नाबरो ने इससे पहले कहा था कि कोरोना का संक्रमण अब ज्यादातर लोगों के लिए जानलेवा के बजाय एक असुविधा बन गया है। नाबरो ने ऐसे लोगों के लिए चिंता व्यक्त की है जो बुजुर्ग हैं और अस्वस्थ्य हैं या फिर किसी बड़ी बीमारी से पीड़ित हैं क्योंकि कोरोना का संक्रमण ऐसे लोगों को अधिक परेशान कर सकता है। उन्होंने कहा कि मैं पूरी दुनिया के लिए चिंतित हूं क्योंकि मैं वास्तव में मानता हूं कि इस महामारी के दौर में बहुत कुछ सीखा गया है और अभी भी वायरस विकसित

हो रहा है। मैं उन व्यक्तियों के लिए चिंतित हूं जो बुजुर्ग हैं या फिर अन्य बीमारियों से पीड़ित हैं। अभी खतरा टला नहीं हैं। मैं उन लोगों के लिए चिंतित हूं जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है।

पूर्व पीएम इमरान खान की बेगम बुशरा बीबी का देशद्रोही हैशटैग चलाने वाला ऑडियो लीक

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की शरीके हयात बुशरा बीबी का नया कथित ऑडियो विलप सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। इसमें वह पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के सोशल मीडिया प्रमुख डॉ. अरसलान खालिद को निर्देश दे रही हैं कि वे पीटीआई का विरोध करने वाले लोगों देशद्रोही बताएं। रिपोर्ट के अनुसार, बुशरा बीबी को डॉ खालिद को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि इमरान खान ने उन्हें सोशल मीडिया पर देशद्रोही हैशटैग चलाने के लिए कहा है। बुशरा पूछती हैं कि इमरान खान ने आपको देशद्रोही हैशटैग के लिए कहा और इतने लोगों ने फोन किया। आपका सोशल मीडिया सक्रिय था लेकिन यह एक सप्ताह से सक्रिय नहीं है। ऐसा क्यों है बेटा? खालिद ने पूर्व फर्स्ट लेडी से कहा कि पीटीआई की सोशल मीडिया टीम पार्टी के खिलाफ देशद्रोही के तौर पर कैंपेन चलाएगी। बुशरा बीबी ने डॉ खालिद से यह भी कहा कि जो लोग उन्हें, इमरान खान और दोस्त फराह खान की छवि खराब कर रहे हैं, उन्हें भी देशद्रोही करार दें। ऑडियो के अनुसार, बुशरा ने पीटीआई की सोशल मीडिया टीम के कुछ दिनों तक एक्टिव नहीं होने के लिए डॉ. खालिद के प्रति निराशा जताई। इससे पहले कि डॉ खालिद कुछ कह पाते, बुशरा ने उनसे कहा कि जो हुआ उसे छोड़ दें। फिर उन्होंने उसके साथ साझा किया कि अलीम खान और अन्य लोग इमरान खान, उनके और उनकी दोस्त फराह खान के खिलाफ बोलेंगे। उन्होंने बताया कि कुछ लोग हमारे खिलाफ बोलेंगे। वे बहुत सारी कहानियां बनाएंगे। आपको इसे मुद्दा बनाने की जरूरत नहीं है। आप बस इन्हें देशद्रोही के तौर पर पेश करें। रिपोर्ट के मुताबिक, बुशरा ने डॉ खालिद को अपनी टीम को रूस से तेल नहीं खरीदने के सरकार के फैसले को उठाने के लिए कहा। यह भी बताया जाए कि आखिर किस तरह से इमरान खान को धोखा दिया जा रहा है। बुशरा ने कहा कि अब आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि यह मुद्दा खत्म न हो जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दों पर सोशल मीडिया में ट्रेंड में शामिल करने की कोशिश की जाए।

अमेरिकी नागरिकता प्राप्त करने में भारतीय दूसरे स्थान पर, जानिए कितने भारतीय हुए विदेशी

वाशिंगटन। अमेरिका में वित्त वर्ष 2022 के दौरान 15 जून तक 6,61,500 लोगों को नागरिकता दी गई और पहली तिमाही में 'देशीयकृत' अमेरिकी नागरिकों के लिए जन्म के देश के तौर पर मेक्सिको के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के निदेशक एम. जड्डू ने शुक्रवार को कहा, 'हमारे देश में ऐतिहासिक तौर पर, जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार तथा खुश रहने की स्वतंत्रता मिलने के कारण दुनियाभर से लाखों लोग अमेरिका में रहने आते हैं।' वित्त वर्ष 2021 में यूएससीआईएस ने 8,55,000 नए अमेरिकी नागरिकों का स्वागत किया। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2022 में यूएससीआईएस ने 15 जून तक 6,61,500 नए अमेरिकी नागरिकों का स्वागत किया। इसने कहा कि वह इस साल एक जुलाई से आठ जुलाई के बीच 140 से ज्यादा कार्यक्रमों के जरिये 6,600 नए नागरिकों का स्वागत कर स्वतंत्रता दिवस मनाएगा। अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस चार जुलाई को मनाया जाता है। देश के गृह सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 के दौरान पहली तिमाही में 'देशीकरण' के माध्यम से नागरिकता प्राप्त करने वालों में से 34 प्रतिशत लोग मेक्सिको, भारत, फिलीपीन, क्यूबा और डोमिनिकन रिपब्लिक के थे। इनमें से मेक्सिको के 24,508 और भारत के 12,928 लोगों को नागरिकता दी गई।

पाकिस्तान में बड़ा सड़क हादसा, खाई में फिसल कर गिरी यात्रियों से भरी बस, 19 की मौत

कराची (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को एक बस के पर्वतीय सड़क से फिसलकर खाई में गिर जाने से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। बस में 30 से अधिक लोग सवार थे। बस इस्लामाबाद से क्वेटा जा रही थी, तभी झोब में खाई में गिर गई। टेलीविजन फुटेज में देखा जा सकता है कि बचावकर्मी खून से लथपथ यात्रियों की मदद कर रहे हैं। सहायक आयुक्त सैयद मेहताब शाह ने कहा, 'जैसे ही बस क्वेटा के पास पहुंची, चालक ने तीखे मोड़ पर वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस एक खाई में गिर गई। हमने अब तक 19 शव बरामद किए हैं, जबकि 11 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।' 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने शाह के हवाले से कहा, 'बारिश और वाहन के तेज रफ्तार के कारण यह घटना हुई।' शाह ने कहा कि सूचना मिलने के तुरंत बाद बचाव दल घटनास्थल पर पहुंचा और शवों को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी पहचान करने की प्रक्रिया चल रही है। सिविल अस्पताल झोब के चिकित्सा अधीक्षक डॉ नूरुल हक ने कहा कि घायलों की हालत गंभीर है और मृतक संख्या बढ़ सकती है। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर अब्दुल कुद्दूस बिजेंजो ने हादसे पर दुख जताया। उन्होंने घायलों का इलाज सुनिश्चित करने के लिए सिविल अस्पताल झोब में आपात स्थिति घोषित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी दुखद हादसे पर दुख व्यक्त किया और मृतकों के शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। पाकिस्तान में खराब सड़क अवसंरचना, यातायात कानूनों की अवहेलना और खराब रखरखाव वाले वाहनों के कारण घातक दुर्घटनाएं आम बात हैं। पिछले महीने, उत्तरी बलूचिस्तान स्थित किला सैफुल्ला जिले के पास एक वाहन के खाई में गिरने से एक ही परिवार के नौ सदस्यों सहित 22 लोगों की मौत हो गई थी।

श्रीलंका को जुलाई में ईंधन की दो खेप मिलेगी: लंका आईओसी

कोलंबो। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की सहायक कंपनी लंका आईओसी के चेयरमैन ने शनिवार को कहा कि श्रीलंका को इस महीने ईंधन की दो खेप मिलेगी और एक अन्य खेप अगस्त में पहुंचेगी। गौरतलब है कि श्रीलंका अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहा है और वहां ईंधन सहित आवश्यक वस्तुओं की भारी कमी है। श्रीलंका सरकार नेसोमवार को कहा कि आधी रात से 10 जुलाई तकसिर्फ आवश्यक सेवाएं संचालित होंगी और अन्य सभी कार्यों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया जाएगा। ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति नहीं होने के चलते यह फैसला किया गया। समाचार पोर्टल इकोनॉमी नेक्स्ट ने लंका आईओसी के चेयरमैन मनोज गुप्ता के हवाले से कहा, ईंधन (पेट्रोल और डीजल) की दो खेप 13 -14 जुलाई को और 28 से 30 जुलाई के बीच आने की उम्मीद है। प्रत्येक जहाज में 30,000 मीट्रिक टन ईंधन होगा। गुप्ता ने कहा कि एक अन्य खेप 10 अगस्त को आने वाली है। उन्होंने कहा कि ये सभी खेप सिंगापुर और यूएई से आएंगी।

कोविड की छठी लहर की आशंका के बीच भारी आयात शुल्क के चलते पाकिस्तान में दवाओं की किल्लत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कोविड-19 महामारी की छठी लहर की आशंका के बीच इस बीमारी के इलाज और बचाव में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर भारी आयात शुल्क लगाने के चलते दवाओं की किल्लत हो गई है। एक मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया कि इसके चलते नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान में पिछले कुछ हफ्तों के दौरान कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी हुई है और इससे संकेत मिलता है कि महामारी के खिलाफ उसकी लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने बताया कि गंभीर आर्थिक संकट और घटते विदेशी भंडार से जूझ रही पाकिस्तान सरकार ने इन दवाओं पर आयात शुल्क दोबारा लगा दिया था। देश में पूर्ववर्ती पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार ने नेबुलाइजर, फेस मास्क और दस्ताने जैसे उपकरणों को कर-मुक्त घोषित किया था। अखबार ने कहा कि थोक दवा संघ के अध्यक्ष मुहम्मद आतिफ ने दवाओं की किल्लत की पुष्टि की है। उन्होंने खासतौर से दवा पैनाडोल का जिक्र करते हुए कहा कि इस दवा के स्थानीय बाजारों से गायब होने की आशंका है। इस वजह से दवाओं की काला बाजारी भी बढ़ गई है।

हांगकांग के पास समुद्र में डूबा पोत, 12 लोगों के मौत की आशंका

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर में परिचालित हो रहा एक औद्योगिक सहायता पोत समुद्री तूफान की चपेट में आने पर डूब गया और इस घटना में दो दर्जन से ज्यादा लोगों के मारे जाने की आशंका है। हांगकांग बचाव सेवा ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बचाव कार्य के लिए विमान और हेलीकॉप्टर रवाना किए और नौवहन दल के 30 सदस्यों में से तीन को सुरक्षित निकाला जा सका है। हांगकांग सरकारी उड़ान सेवा की ओर से जारी तस्वीरों में नौवहन दल के एक सदस्य को बचाव हेलीकॉप्टर की मदद लेते देखा गया जबकि पोत समुद्र की ऊंची लहरें के बीच डूब रहा था।

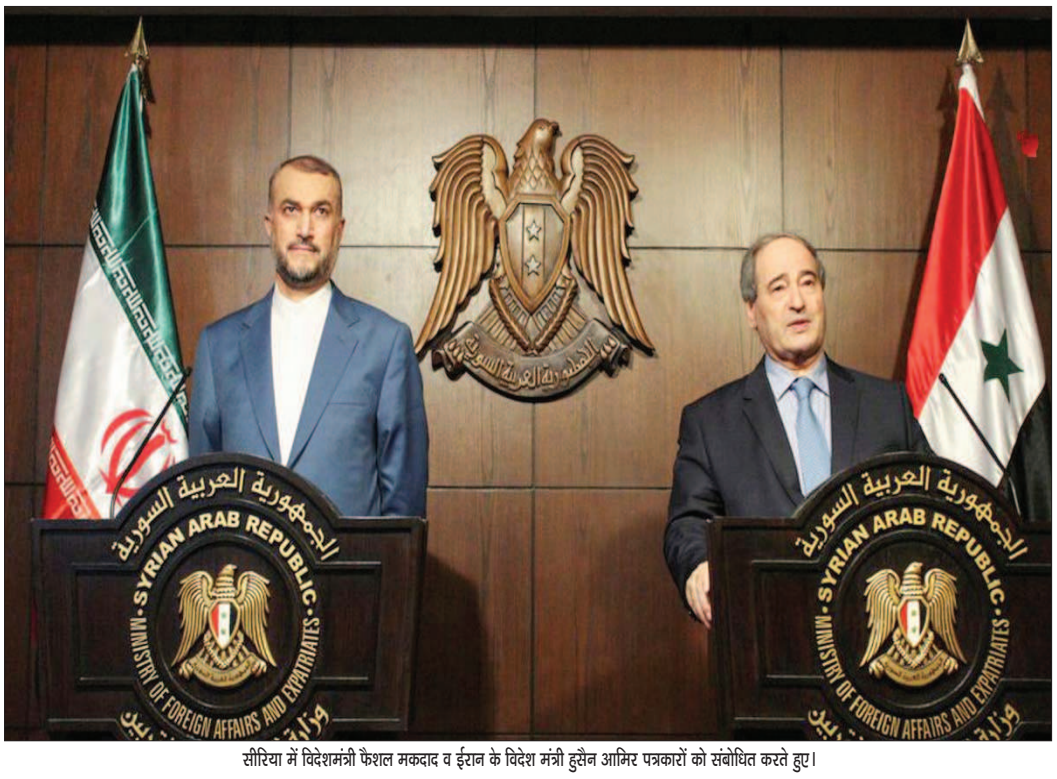

सीरिया में विदेशमंत्री फैशल मकदाद व ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर पत्रकारों को संबोधित करते हुए।

फ्रांस में कोरोना कहर, अस्पतालों में बढ़ी संक्रमितों की संख्या, बचाव के लिए लागू होगी नई गाइडलाइन

नीस । फ्रांस में एक बार फिर कोरोना ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कोविड के बढ़ते मामलों ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। फ्रांस में पर्यटन क्षेत्र दोबारा गति पकड़ रहा है और इसके साथ ही संक्रमितों की संख्या भी बढ़ रही है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए र फ्रांसीसी अधिकारी लोगों से फिर से मास्क पहनने की अनुशंसा कर रहे हैं, लेकिन पाबंदियों की समीक्षा नहीं कर रहे हैं ताकि पर्यटक भयभीत नहीं हो। सरकारी की तरफ से जारी किए गए आंकड़ों की मानें तो फ्रांस में गत सप्ताह में कोविड-19 की वजह से अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है और प्रतिदिन लगभग एक हजार संक्रमित भर्ती हो रहे हैं। तेजी से बढ़ते संक्रमण ने एक बार फिर से लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। 'अवर वर्ल्ड इन डाटा' के आकलन के मुताबिक यूरोप और अमेरिका में संक्रमण बढ़ रहा है लेकिन फ्रांस में संक्रमितों और अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों का अनुपात अधिक है। फ्रांसीसी सरकार की प्रवक्ता ओलिविया ग्रेगोइरे ने कहा है कि राष्ट्रीय नियमों को फिर से लागू करने की कोई योजना नहीं है जिनके अंतर्गत कई गतिविधियों को सीमित किया जाता है।

यूक्रेन के इस अहम शहर पर रूस ने किया कब्जा, नहीं थम रहा युद्ध

कीव। (एजेंसी)।

रूस के रक्षा मंत्री ने दावा किया है कि रूसी बलों ने रविवार को यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र स्थित लुहांस्क प्रांत के अहम शहर पर कब्जा कर लिया है, जिस पर अब तक यूक्रेन का नियंत्रण था। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही रूस यूक्रेन के पूरे डोनबास इलाके पर कब्जा करने के लक्ष्य के करीब पहुंच गया है। रूसी समाचार एजेंसी के मुताबिक, रक्षामंत्री सर्गेई शोइगू ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बताया कि रूसी सैनिकों ने स्थानीय मिलिशिया के साथ मिलकर ''लिसिचांस्क शहर पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है।'' यूक्रेन के अधिकारियों ने तत्काल स्थिति स्पष्ट नहीं की है। यूक्रेन के लड़ाके गत कई हफ्तों से लिसिचांस्क शहर को बचाने का प्रयास कर रहे हैं और अब रूस के मुकाबले उनकी स्थिति कमजोर हो रही है जबकि पड़ोसी सिविएरोडोनेत्स्क पर एक हफ्ते पहले ही रूस का कब्जा हो चुका है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के एक सलाहकार का पूर्वानुमान था कि जल्द ही शहर का भविष्य तय हो जाएगा। लुहांस्क के गवर्नर ने रविवार तड़के बताया था कि रूस की सेनाएं यूक्रेन के पूर्वी लुहांस्क प्रांत में बचे आखिरी गढ़ पर कब्जा करने के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं। लुहांस्क के गवर्नर सेरही हैदै ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप के जरिये कहा, ''कब्जा करने वाले (रूस) ने अपनी सभी सेनाएं लिसिचांस्क शहर की ओर भेज दी हैं। वे शहर पर क्रूर हथकंडे के तहत हमला कर रही हैं।'' उन्होंने कहा, ''रूस को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन वे बढ़त बनाए हुए हैं। उनकी शहर में मौजूदगी बढ़ रही है।'' उल्लेखनीय है कि एक नदी लिसिचांस्क को सिविएरोडोनेत्स्क से अलग करती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने शनिवार देर रातऑनलाइन साक्षात्कार में कहा कि रूसी सेनाएं पहली बार नदी पार कर उत्तर से दाखिल होने में सफल रही हैं जिससे ''खतरनाक'' स्थिति उत्पन्न हो गई है। एरेस्टोविच ने कहा कि अभी वे (रूसी सैनिक) शहर के केंद्र तक नहीं पहुंचे हैं, लेकिन लिसिचांस्क की लड़ाई के रुख का फैसला सोमवार तक हो जाएगा।

टेक्सास सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात की अनुमति बहाल करने वाला आदेश रोका

- रो बनाम वेड मामले पर अगली सुनवाई इस महीने के आखिर में होगी

टैलाहैसी (एजेंसी)।

अमेरिका में टेक्सास सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें कहा गया था कि क्लीनिक गर्भपात करना जारी रख सकते हैं। दरअसल, अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने रो बनाम वेड मामले से संबंधित फैसले को पलटते हुए गर्भपात कराने के महिलाओं के संवैधानिक अधिकार को निरस्त करने का फैसला सुनाया था, जिसके बाद से देश भर में प्रदर्शन हो रहे है। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न प्रांतों को अपनी सुविधा के मुताबिक गर्भपात संबंधी कानून लागू करने का आदेश दिया था। हालांकि, यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो सका है कि टेक्सास के क्लीनिक जिन्होंने इस सप्ताह मरीजों को देखना फिर से शुरू किया था, वे फिर से अपनी सेवाएं बंद करेंगे अथवा नहीं। इस मामले पर अगली सुनवाई इस महीने के अंत में होनी है। टेक्सास के क्लीनिक द्वारा गर्भपात कराने आए मरीजों को वापस भेजना, मरीजों को दोबारा समय देना और अब संभावित रूप से फिर से मरीजों के चिकित्सकों से मिलने के निर्धारित समय को रद्द कर देना, ये सभी चीजें एक सप्ताह के भीतर ही हुई हैं। इससे देश के लोगों में संशय की स्थिति बन गई है। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद करीब तीन करोड़ की आबादी वाले टेक्सास प्रांत में क्लीनिक ने गर्भपात करना बंद कर दिया था। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करने वाले एक शोध समूह की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2020 में अमेरिका में 9,30,000 से अधिक गर्भपात के मामले सामने आए जबकि यह आंकड़ा 2017 में करीब 8,62,000 था।

उत्तर कोरिया ने क्यों किया अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की निंदा

सियोल। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने त्रिपक्षीय सैन्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की रविवार को आलोचना की और चेतावनी दी कि इस कदम से देश अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत करने के लिए तत्काल कदम उठाने को मजबूर हो जाएगा। उत्तर कोरिया अपने परमाणु कार्यक्रम के विस्तार के लिए अमेरिका और उसके सहयोगियों की शत्रुता को वजह बताता रहा है। रविवार का बयान ऐसे समय में आया है, जब उत्तर कोरिया के पड़ोसी ने कहा है कि देश अगले पांच साल में अपने पहले परमाणु परीक्षण के लिए तैयार होगा।

उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''मौजूदा स्थिति से कोरियाई प्रायद्वीप और शेष दुनिया के सुरक्षा वातावरण के तेजी से बिगड़ने की आशंका अधिक है और देश के लिए रक्षा निर्माण करना एवं अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ाना जरूरी हो जाएगा।'' बयान में पिछले हफ्ते नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं के बीच हुई एक त्रिपक्षीय बैठक का मुद्दा उठाया गया।

बैठक के दौरान तीनों देशों ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने के लिए अपने सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता को रेखांकित किया था। हाल में आयोजित त्रिपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा था कि वह उत्तर कोरिया के निरंतर बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षणों और परमाणु परीक्षण करने की योजनाओं को लेकर ''बेहद चिंतित'' हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल ने कहा कि उत्तर कोरिया के उन्नत परमाणु कार्यक्रम के कारण त्रिपक्षीय सहयोग का महत्व बढ़ गया है और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा था कि उत्तर कोरिया के खतरों को रोकने के लिए संयुक्त मिसाइल रोधी अभ्यास महत्वपूर्ण होगा।

पाकिस्तानी सरकार टीटीपी से करेगी शांति वार्ता, क्या मानी जाएगी तहरीक-ए-तालिबान की 'मुख्य' मांगें?

हांगकांग। (एजेंसी)।

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक संसदीय समिति ने सैन्य नेतृत्व को प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से शांति वार्ता करने के लिए अधिकृत किया है। गृह मंत्री राणा सनाउल्ला ने यह जानकारी दी। उन्होंने शनिवार को बताया कि सैन्य नेतृत्व वार्ता में होने वाली किसी प्रगति की जानकारी समिति को देगी और इस विषय पर संसद में चर्चा कराई जाएगी। सन्नाउल्ला ने बताया कि वार्ता केवल पाकिस्तान के संविधान के अंतर्गत ही होगी। डॉन अखबार ने उनके हवाले से बताया कि किसी भी समझौते तक संविधान के तहत पहुंचा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की सेना ने 22 जून को राजनीतिक नेतृत्व को आश्वस्त किया था कि टीटीपी के साथ चल रही वार्ता में कोई भी रियायत नहीं दी जाएगी और आतंकवादी संगठन के साथ होने वाले किसी भी समझौते के लिए संसद से मंजूरी ली जाएगी। अखबार की खबर के मुताबिक, सैन्य नेतृत्व ने यह आश्वासन प्रधानमंत्री कार्यालय में राजनीतिक नेतृत्व के साथ हुई एक बैठक में दिया। टीटीपी के साथ अफगान तालिबान की मदद से जारी वार्ता के बाद पहली बार राष्ट्रीय राजनीतिक नेतृत्व और सैन्य नेतृत्व के बीच बैठक हुई है। यह बैठक सरकार में शामिल पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के विरोध के बाद आयोजित की गई है, जिसने कहा था कि इस वार्ता में उसे भरोसे में नहीं लिया जा रहा है।

कई महीने से दुर्गंध से जूझ रहा ब्रिटेन का वेस्ट मिडलैंड्स शहर, बदबू से लोग करने लगे उल्टियां

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के सुंदर शहरों में शुमार वेस्ट मिडलैंड्स (बर्मिंघम) एक अजीब सी दुर्गंध का शिकार हो गया है। हाल ही में एक खबर सामने आई है, जो अब पूरी दुनिया का ध्यान खींच रही है। यहां के एक शहर में अचानक से बदबू फैलने लगी है। इस बदबू की वजह से लोग उल्टियां करने लगे हैं। लोगों की जीना मुश्किल हो रहा है। जरूरत पड़ने पर ही वे घर से बाहर निकल रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स (बर्मिंघम) में इस तरह की दिक्कत हो रही है। लोकल रेजिडेंट्स का कहना है कि यह समस्या पिछले 9 महीने से बनी हुई है। इस बजह से हम सबसे परेशान हैं। सबसे ज्यादा मुश्किलें बच्चों के सामने आ रही हैं। वह बार-बार उल्टी करते हैं। यहीं रहने वाले एक शख्स ने बताया कि बदबू की वजह से उनके शरीर में खुजली की समस्या होने लगी है।

एक अन्य शख्स ने बताया कि हम लोग चाहकर भी अपनी खिड़की खोल नहीं पा रहे हैं। सुबह से ही बदबू आने लगती है। लोगों का कहना कि पहली बार जब यह मामला सामने आया तो हमें लगा कि कहीं से कोई गैस लीक हुई है, लेकिन कहीं पर कोई लीकेज नहीं मिली थी। अब यह समस्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है। इसी शहर में रहने वाले एक अन्य शख्स का कहना है कि एक तो इस शहर में गर्मी बहुत है, ऊपर से बदबू की वजह से अपने घर की खिड़की तक नहीं खोल सकते हैं। बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत है।

तेजस ने दिखाया अपना दम, चीन और साउथ कोरिया को पछाड़कर बना मलेशिया की पहली पसंद

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत का 'तेजस' हल्का लड़ाकू विमान मलेशिया की पहली पसंद बनकर उभरा है और यह दक्षिण-पूर्व एशियाई देश अपने पुराने हो चुके लड़ाकू विमानों को बदलना चाहता है। एचएएल निर्मित तेजस ने प्रतिस्पर्धा में शामिल चीनी और दक्षिण कोरियाई विमानों को पछाड़ दिया है। एचएएल के चेयरमैन ने कहा कि चीनी विमान जेएफ-17, दक्षिण कोरियाई विमान एफए-50 और रूस के मिग-35 तथा याक-130 से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद भी मलेशिया ने तेजस पर भरोसा जताया है। तेजस विमानों को लेकर दोनों पक्ष वार्ता कर रहे हैं, ताकि खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के प्रबंध निदेशक और चेयरमैन आर माधवन ने 'पीटीआई-भाषा' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''चीन के जेएफ-17, दक्षिण कोरिया के एफए-50, रूस के मिग-35 और याक-130 लड़ाकू विमानों से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद मलेशिया तेजस की खरीद के लिए बात कर रहा है।'' भारत ने पैकेज के तहत मलेशिया में एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल) सुविधा स्थापित करने की पेशकश की है, क्योंकि मॉस्को पर लगे प्रतिबंध के कारण रूस से खरीदे गये एसयू-30 विमानों के कलपुर्जों की खरीद में मलेशिया को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। यह बड़ा सौदा क्या जल्द पूरा होगा?

इसके जवाब में माधवन ने कहा, ''मैं इसे लेकर बहुत अधिक आश्वस्त हैं बशर्ते कोई राजनीतिक बदलाव नहीं हो।'' राज्य द्वारा संचालित दिग्गज एयरोस्पेस कंपनी के शीर्ष कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि अगर सौदा तय हो जाताहै, तो यह विमान के अन्य संभावित खरीदारों को 'बहुत अच्छा संकेत' देगा और इसकी समग्र निर्यात क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। माधवन ने कहा, ''बातचीत लगभग अंतिम चरण में है। हम एकमात्र देश हैं, जो उन्हें एसयू-30 विमानों के साथ-साथ रूस के अलावा अन्य देशों के विमान के लिए सहयोग की पेशकश कर रहे हैं। हम उसके बेड़े के रखरखाव से जुड़ी हर जरूरत के लिए मलेशिया का सहयोग कर सकते हैं।'' यह पता चला है कि चीनी जेएफ-17 सस्ता था, लेकिन यह तेजस एमके-आईए संस्करण के तकनीकी मापदंडों और भारत द्वारा प्रस्तावित एसयू-30 बेड़े के रखरखाव की पेशकश से मुकाबला नहीं कर सका। खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उच्च पदस्थ अधिकारियों और विशेषज्ञों की एक टीम के जल्द ही भारत आने की उम्मीद है। माधवन ने कहा कि जेएफ-17 और एफए-50 की तुलना में तेजस काफी बेहतर विमान है और भारतीय विमानों के चयन से मलेशियाई को भविष्य में अपने बेड़े के उन्नयन के लिए एक विकल्प मिलेगा। एचएएल द्वारा निर्मित तेजस एक एकल इंजन और अत्यधिक सक्षम बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है, जो उच्च-खतरे वाले वायु वातावरण में संचालन में सक्षम है। पिछले साल फरवरी में रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 83 तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। भारत ने तेजस के एमके-2 संस्करण के साथ-साथ पांचवीं पीढ़ी के उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) को विकसित करने के लिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर की महत्वाकांक्षी परियोजना पर काम शुरू कर दिया है।

सुविचार बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है। - धीरुभाई अम्बानी

संपादकीय

निर्णायक जंग

पर्यावरण और मानव जीवन के लिये घातक साबित होने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक पर आज से सारे देश में प्रतिबंध लागू हो जायेगा। निस्संदेह, सरकार ने इस पर रोक को लेकर दृढ़ इच्छाशक्ति दिखायी है लेकिन इसका क्रियान्वयन तभी संभव है जब नियामक एजेंसियां सख्ती से फैसले का क्रियान्वयन करेंगी। साथ ही नागरिक जिम्मेदारी का परिचय देकर सहयोग करेंगे। निस्संदेह प्रतिबंध की प्रभावशीलता सिंगल यूज प्लास्टिक यानी एसयूपी के विकल्पों की उपलब्धता पर निर्भर करेगी। बहरहाल, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चिन्हित एसयूपी वस्तुओं के निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, बिक्री और उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है, जिसके उल्लंघन पर आर्थिक जुर्माने व सजा का भी प्रावधान है। इसमें वे उत्पाद शामिल हैं जिनकी उपयोगिता की अवधि सीमित है और अधिक कचरा उत्पन्न करते हैं। मसलन पैकेजिंग के लिये इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक रैपिंग, ईयरबड स्टिक व डिस्पोजेबल बर्तन आदि वस्तुएं शामिल हैं। इन वस्तुओं पर रोक के लिये राष्ट्रीय व राज्यस्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किये जायेंगे। साथ ही प्रतिबंध को लागू करने के लिये राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में सिंगल यूज प्लास्टिक की आवाजाही रोकने के लिये सीमा चौकी बनाने को कहा गया है। दरअसल, केंद्र सरकार ने एसयूपी पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता जताते हुए अगस्त, 2021 में एक अधिसूचना जारी की थी। सरकार का कहना है कि इन वस्तुओं के निर्माताओं को वैकल्पिक व्यवस्था बनाने के लिये पर्याप्त समय दिया गया है, जिसे और अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता। जाहिर है शुरुआती दौर में सिंगल यूज प्लास्टिक के उत्पादन से जुड़े व आम लोगों को कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। संभव है व्यापारी समुदाय व उद्योग की ओर से प्रतिरोध का भी सामना करना पड़े। यदि बाजार में कागज व कपड़े के बैग आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाते तो भी उपभोक्ता को कुछ समय के लिये परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन सुखद भविष्य के लिये प्रतिबंध अपरिहार्य ही हैं। उल्लेखनीय है कि विगत में कर्नाटक, तमिलनाडु और हिमाचल समेत कई राज्य पहले ही एकल उपयोग वाले प्लास्टिक पर पूर्ण या आंशिक प्रतिबंध लगा चुके हैं, लेकिन इसके परिणाम उतने प्रभावी नहीं रहे। वजह यह कि प्रतिबंधों का क्रियान्वयन सख्ती से नहीं हो पाया। नियामक अधिकारियों द्वारा अक्सर ढीला रवैया अपनाया जाता रहा, जिसके चलते प्रतिबंध के बावजूद एकल उपयोग प्लास्टिक के उपयोग का सिलसिला बदस्तूर जारी रहा। हमें महसूस करना चाहिए कि पूरी दुनिया प्लास्टिक कचरे से गंभीर चुनौती का सामना कर रही है। केवल नौ फीसदी प्लास्टिक कचरे का पुनर्नवीनीकरण हो पाता है। आशंका जतायी जा रही है कि वर्ष 2060 तक प्लास्टिक कचरे की मात्रा तीन गुनी हो जाएगी। पूरी दुनिया में कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे में भारत की हिस्सेदारी बीस फीसदी है जिसका न तो पुनर्नवीनीकरण हो पाता है, न जलाया जा सकता है और न ही जमीन में ही गलाया जा सकता है। इसके चलते तमाम सीवर लाइनों व जल निकासी के माध्यमों को प्लास्टिक कचरा अवरुद्ध कर रहा है। निस्संदेह, एकल उपयोग प्लास्टिक की विभीषिका से बचने के लिये सभी हितधारकों की सामूहिक जिम्मेदारी व भागीदारी जरूरी है। इसके लिये वैकल्पिक साधन जुटाने के साथ ही कई अभिनव पहल की जा सकती हैं।

आज के कार्टुन

उत्तम कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य

श्रेष्ठ कार्य वह है, जो श्रेष्ठ उद्देश्य के लिए किया जाता है। उत्तम कार्यों की कार्य प्रणाली भी प्रायः उत्तम ही होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्रायः उसके लिए मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा ही उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत स्थिति सामने आती है कि सदुद्देश्य होते हुए भी, भावनाएं उच्च, श्रेष्ठ, सात्विक होते हुए भी क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है, जिससे लोगों को यह भ्रम हो जाता है कि कहीं यह सब दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। किसी भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। इसी प्रकार किसी दुःखी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि के द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकताएं एवं उपयोगिता सर्वत्र स्वीकार की जा सकती है। परन्तु कई बार इस प्रकार की सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसके करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। बिरले बहादुर ही इस प्रकार की दुस्साहसभरी सेवा करने को तैयार रहते हैं। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर कि वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, कोई साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी सीधे तरीके से मान जाते हैं। उनकी भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है, पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो रही है और साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्रायः कुछ भी असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रबलता और प्रधानता है, ऐसे प्राणियों की कमी नहीं है। ऐसे प्राणी सज्जनता, साधुता और सात्विकता का कुछ भी मूल्यांकन नहीं करते। ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से उन्हें अनीति के दुःखदाई मार्ग पर से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु समझाने से नहीं मानता।

चिंताजनक है युवाओं में बढ़ती मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

मादक पदार्थों का सेवन अब मानवता के प्रति सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि अब यह प्रवृत्ति केवल शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का आज कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। वास्तव में रेव पार्टियां धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे ही मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े हुए युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं। मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर की सुंदरता को नष्ट कर शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक और आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। वर्ष 1993 में मैंने नशे के दुष्प्रभावों पर एक पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' लिखी थी, जिसमें मैंने विस्तार से यह स्पष्ट किया था कि अधिकांश लोगों में कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है और इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं। कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरूपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है। देशभर में नशे का अवैध व्यापार तेजी से फल-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है। हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं और यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों की शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्त्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं बल्कि समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा नशे के दुष्प्रभावों पर पुरस्कृत पुस्तक 'मौत को खुला निमंत्रण' के लेखक हैं)

सजगता से कुपोषण-भुखमरी रोकना संभव

अखिलेश आर्येन्दु

भारतीय संस्कृति में अन्न को देवता कहा गया है। थाली में भोजन छोड़ना अन्न के प्रति अनादर माना गया है, लेकिन देश में करोड़ों टन भोजन रोज़ाना नालियों और गड्ढों में फेंक दिया जाता है। खाद्यान्न की बर्बादी को रोकने के लिए नारा दिया गया- 'भोजन उतना लो थाली में, जो व्यर्थ न जाए नाली में।' लेकिन इस नारे का असर किसी भी भंडारे, उत्सव और शादी-ब्याह में दिखाई नहीं देता। मतलब साफ है, हम स्वयं को भले ही भारतीय संस्कृति के ध्वजवाहक बताते न थकते हों, लेकिन सच्चाई यह है कि दिनभर हम सांस्कृतिक और शैक्षिक मूल्यों की अवहेलना करने में ही समझदारी समझते हैं। यही वजह है कि देश में भुखमरी, कुपोषण और शोषण की समस्या से आजादी के पचहत्तर साल बाद भी निजात नहीं पा सके हैं। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में पैदा होने वाला 40 प्रतिशत भोजन बेकार चला जाता है।, यह मात्रा ब्रिटेन में हर साल उपयोग होने वाले भोजन के बराबर है। देश में हर साल 25.1 करोड़ टन से अधिक खाद्यान्न का उत्पादन होता है। इसके बावजूद भारत में हर चौथा व्यक्ति भूखा या आधे पेट सोता है। कृषि मंत्रालय की फसल अनुसंधान इकाई सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ हार्वेस्ट इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीफैट) की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर साल करीब 87 लाख टन खाद्यान्न उचित भंडारण और कोल्ड स्टोरेज की मुकम्मल व्यवस्था न होने के कारण खराब हो जाता है, जिसकी कीमत 92 हजार करोड़ आंकी गई है। इसी तरह हर साल 20 हजार करोड़ की सब्जियां और फल बर्बाद हो जाते हैं। सीफैट हर साल फसलों की कटाई के बाद खाद्य पदार्थों पर अपनी रिपोर्ट कृषि मंत्रालय को देता है। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक, हर साल इसमें करीब 20 से 22 फीसदी तक फल और सब्जियां कोल्ड स्टोरेज और प्रसंस्करण के अभाव में खराब हो जाते हैं। यानी हर साल करीब 20 हजार करोड़ रुपये की फल-सब्जियां बर्बाद हो जाती हैं। फीसैड के अनुसार, यदि फलों और सब्जियों को बर्बाद होने से रोकना है तो कोल्ड स्टोरेज की संख्या को दुगना करना होगा। हालांकि अभी देश में 6500 से ज्यादा कोल्ड स्टोरेज हैं, जिनकी भंडारण क्षमता 3.1 करोड़ टन है। गौर करने वाली बात यह भी है कि सब्जियों में हर साल टमाटर, प्याज अलग-अलग कारणों से बाजार में पहुंचने के पहले ही बर्बाद हो जाते हैं। सीफैट की रिपोर्ट कहती है कि देशभर में हर साल कोल्ड स्टोरेज के अभाव में 10 लाख टन प्याज बाजार नहीं पहुंच पाता है। इसी तरह 22 लाख टन टमाटर भी अलग-अलग कारणों से बाजार नहीं पहुंच पाते हैं। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि देश में हर साल कितने बड़े पैमाने पर खाद्यान्न, फल और सब्जियां बर्बाद हो जाते हैं। निस्संदेह, समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकारों ने अभी तक जितनी पहल की है, जब तक उन्हें अमलीजामा नहीं पहनाया जाएगा तब तक खाद्यान्न, फल और सब्जियों की बर्बादी नहीं रोकी जा सकती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के जरिए जारी फूड वेस्टेज इंडेक्स रिपोर्ट के अनुसार बीते सालों में दुनियाभर में अनुमानित 93.10 करोड़ टन खाना बर्बाद हो गया, जो वैश्विक स्तर पर कुल खाने का 17 फीसदी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय घरों में

हर साल करीब 6.87 करोड़ टन खाना बर्बाद हो जाता है। आंकड़े के अनुसार, 93.10 करोड़ टन बर्बाद खाने में से 61 फीसदी हिस्सा घरों से, 26 फीसदी खाद्य सेवाओं और 13 फीसदी खुदरा जगहों से आता है। यह तब है जब शादियों व समारोहों में फिजूलखर्ची पर रोक लगाने के लिए 2006 से अधिनियम लागू है। निस्संदेह कृषि उत्पादों के रखरखाव और विपणन में सुधार करना होगा। मिसाल के तौर पर मध्य प्रदेश में पिछले दो साल में 100 लाख टन गेहूं, 4 लाख टन धान, और 1 लाख टन मूंग और उड़द का भंडारण हुआ। इधर गोदाम वाले ज्यादा मुनाफे के लिए कुछ नए पैंतरे अपनाने लगे हैं। जिस मध्य प्रदेश का गेहूं भारत भर में सबसे महंगा और अच्छे किस्म का माना जाता है, उस प्रदेश की हालत यह है कि लाखों टन गेहूं रखरखाव के अभाव में हर साल खराब हो रहा है। इस बर्बादी को रोकने के लिए महिलाएं काफी हद तक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। यदि वे घर, उत्सव और समारोहों में खाद्यान्न की बर्बादी के खिलाफ आगे आएं तो समस्या का काफी हद तक समाधान किया जा सकता है। गौरतलब है, सरकारी लापरवाही की वजह से ही खाद्यान्न, फलों और सब्जियों की बर्बादी नहीं हो रही है बल्कि आम आदमी भी अपनी आदतों के चलते इस बर्बादी के प्रति कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इसी तरह आस्था, आदत, हैसियत दिखाने और लापरवाही की वजह से देश में सैकड़ों टन दूध बर्बाद हो जाता है। यह उस देश में होता है जहां दूध के अभाव में लाखों बच्चे कुपोषण और मौत के शिकार हो जाते हैं।

सू-दोकू नवताल -2156

8		6	3		5		2	
		2	1			5		8
1				8	6			
	7	8				9		4
3								6
6		9				2	7	
			5	1				9
7		5			8	6		
	8		4		2	7		5

सू-दोकू -2155 का हल

4	7	8	2	1	6	9	5	3
5	3	1	4	7	9	8	6	2
9	6	2	5	8	3	1	4	7
7	4	9	8	3	5	6	2	1
6	1	5	7	2	4	3	9	8
2	8	3	9	6	1	4	7	5
1	9	7	6	5	8	2	3	4
3	5	6	1	4	2	7	8	9
8	2	4	3	9	7	5	1	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2156

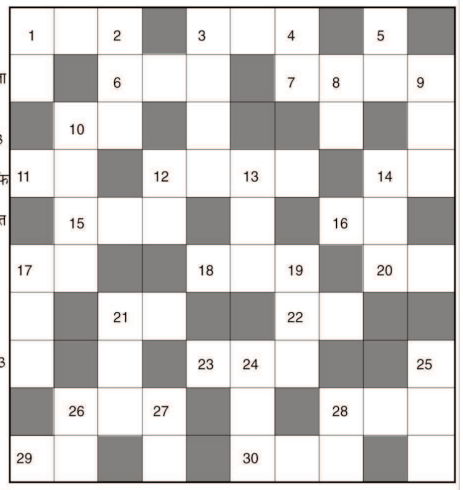

बायें से दायें:-

1. मनोज बाजपेई, करिश्मा कपूर की फिल्म-3
3. 'चूड़ी बोले पायल बोले' गीतवाली फिल्म-3
6. सुनील दत्त, नूतन अभिनीत फिल्म-3
7. राजेश खन्ना, मिथुन, शबाना, दीप्ति नवल की 'ये हवाएं सर्द सर्द हैं' गीत वाली फिल्म-4
10. फिल्म 'नरसिम्हा' में डिम्पल कपाड़िया के साथ नायक-2
11. 'चोरी चोरी मेरे दिल को' गीत वाली फिल्म-2
12. फिल्म 'अनमोल घड़ी' के प्रसिद्ध गीत 'आवाज दे कहां है, दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन-4
14. फिल्म 'नीला आकाश' में धर्मेंद्र की नायिका-2
15. फिल्म 'प्रेम ग्रंथ' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी?-3
16. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली सन् 1953 की एक फिल्म-2
17. किस प्रसिद्ध गायक का वास्तविक नाम शान्तनु मुखर्जी है-2
18. निर्माता निर्देशक अभिनेता मनोज कुमार की राष्ट्रभक्ति वाली फिल्मों में उनके पात्र का नाम-3
20. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
21. 'हम ने घर छोड़ा है' गीत वाली फिल्म-2
22. फिल्म 'बनारसी बाबू' की नायिका-2
23. अक्षयकुमार, माधुरी की फिल्म-3
26. 'साला मैं तो साब बन गया' गीत वाली फिल्म-3
28. सलमान, करिश्मा की फिल्म-3
29. गोविंदा, नीलम की फिल्म-2
30. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा पारेख की फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

1. अक्षय कुमार, मिलिंद गुणाजी, ट्विंकल खन्ना अभिनीत फिल्म-2
2. 'गवाह हैं चांद तारे' गीत वाली ऋषि कपूर, सनी देओल, मीनाक्षी शेषाद्रि की फिल्म-3
3. 'मौला मेरे मौला' गीत वाली फिल्म-4
4. आमिर खान, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
5. राज कपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाईयां' गीत वाली फिल्म-2
8. 'जब भी ये दिल उदास होता है' गीत वाली राकेश रोशन, सिम्मी ग्रेवाल की फिल्म-2
9. फिल्म 'शोला और शबनम' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी?-3
10. फिल्म 'पार्टनर' में 'लव-गुरु' की भूमिका किसने की है?-4
12. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फिल्म-2
13. संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-3
14. 'तुझ से नाराज नहीं जिंदगी' गीत वाली फिल्म-3
17. जॉय मुखर्जी, सायरा बानो की फिल्म-3
19. अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-3
21. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मातोंडकर अभिनीत फिल्म-3
24. फिल्म 'बारूद' में अक्षय कुमार के साथ नायिका कौन थी?-3
25. 'काश तुम मुझसे एक बार' गीत वाली फिल्म-3
26. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-2
27. अभिषेक बच्चन, अंतरा माली की फिल्म-2
28. 'बेईमान पिया रे' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म (2)

फिल्म वर्ग पहेली- 2155

जीं		आं	धी			स	र	फ	शे	श
स	ला	खें			रा	नी		ना		बा
	ल			रा	ज		दे		हि	ना
अ	प	ने			श्री	दे	वी		म्म	
	त्थ			जी		व		नू	त	न
ब	र	सा	त			आ		रे		गिं
हू		या			आ	नं	द		द	स
बे	टा			सु		द		म	दं	
ग		म	र्या	दा			दा	वा		डो
म	हा	न			दा	ग		ली	ड	र

घर में मूर्तियां रखने से पहले जान लें ये परंपरा

घर और मंदिर में फर्क होता है और जो लोग घर में ही मंदिर बना लेते हैं उनके लिए कई नियम मान्य होते हैं जैसे कहां बनाना चाहिए, घर का कौन सा कोना पवित्र है वगैराह-वगैराह, लेकिन घर में मूर्तियां रखने के भी कुछ नियम होते हैं। शास्त्रों के अनुसार अगर मूर्ति की पूजा नहीं की जा सकती तो उसे घर में रखने की जरूरत नहीं है। ये नियम खास तौर से शिवलिंग पर लागू होता है।

शिवलिंग को लेकर ये भी नियम है कि एक से ज्यादा शिवलिंग घर में नहीं रखने चाहिए।

अगर ब्रह्मा-विष्णु-महेश की मूर्ति रखी जा रही है या फोटो है तो उसे बाकी देवताओं से ऊपर स्थान देना चाहिए।

एक ही भगवान की तीन मूर्तियां या तस्वीरें एक साथ घर में नहीं रखनी चाहिए ये गलत प्रभाव डालती हैं।

क्या कहते हैं शास्त्र..

ये सभी नियम और कायदे खास तौर पर वास्तु शास्त्र के हिसाब से बनाए गए हैं। अगर हम अन्य शास्त्रों की बात करें जैसे गीता में दान या उपहार के तीन प्रकार हैं (सात्विक, राजसिक और तामसिक) जिसमें से किसी में भी भगवान की मूर्ति दान या उपहार देने का कोई रिवाज नहीं है।

रिगवेद में ज्ञान को ही दान और उपहार माना गया है और इसे ही देने की बात कही गई है। मनुस्मृति में भूखे को खाना खिलाना (पुण्य के लिए), सरसों का दान (स्वास्थ्य के लिए), दिए या रौशनी का दान (समृद्धी के लिए), भूमि का दान (भूमि के लिए) और चांदी का दान (सौंदर्य के लिए) का वर्णन है, लेकिन भगवान की मूर्तियों का कहीं नहीं हैं।

घर में फेंगशुई ऊंट रखें

अगर आप बुरे वक्त के दौर से गुजर रहे हैं, तो घर में फेंगशुई गैजेट ऊंट की स्थापना करें। यह आपको परेशानियों से निजात दिलाएगा। फेंगशुई के अनुसार ऊंट की स्थापना हमें आने वाली विपदा व दुर्भाग्य से भी बचाती है। जिस तरह यह जानवर विलक्षण क्षमताओं वाला है, उसी प्रकार फेंगशुई गैजेट के रूप में भी इसके प्रभाव विलक्षण हैं। ऊंट एकमात्र ऐसा जानवर है, जो विपरीत परिस्थितियों में कई दिनों तक बिना खाए-पीए रहकर भी अपने सवार को उसकी मंजिल तक पहुंचाने की क्षमता रखता है।

अगर आपके परिवार में आए दिन कोई न कोई बीमार रहता है या परिवार के किसी सदस्य को बीमारी, दुर्घटना आदि का खतरा बना रहता है, तो यह गैजेट निश्चित रूप से उसके लिए सहायक साबित हो सकता है।

यही नहीं, हमारी आधी से अधिक चिंताओं और परेशानियों की वजह होती है आर्थिक समस्या। आपको अपने निवेश का उचित प्रतिफल मिले और आपके पास नगद की आवक बनी रहे, इसके लिए फेंगशुई ऊंट को घर के उत्तर-पश्चिम में स्थापित करना चाहिए।

कुछ विशेषज्ञों का ऐसा भी मानना है कि निवेश को सुरक्षित बनाने और उससे अधिकतम लाभ पाने के लिए ऊंट का जोड़ा स्थापित करना चाहिए।

अगर आपका पैसा कहीं फंसा हुआ है और वह आपको सही समय पर प्राप्त नहीं हो रहा है या आप नगदी की समस्या से जूझ रहे हैं तो डबल यानी दो कूब वाले ऊंटों के जोड़े को घर में स्थापित करें।

घर ही नहीं, आफिस में भी इसे स्थापित करना आर्थिक तरक्की दिलाता है। यह आपके व्यापार के रिस्क को कम करता है, आपके निवेश को सुरक्षित बनाता है तो चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी प्रदान करता है। घर की तरह ऑफिस में भी इसे उत्तर-पश्चिम दिशा में ही स्थापित करना चाहिए।

देवशयनी एकादशी

10 जुलाई से 4 नवंबर तक सो जाएंगे देवता, नहीं होंगे मांगलिक कार्य

इस बार हरिशयनी देवशयनी एकादशी 10 जुलाई 2022, दिन रविवार को मनाई जा रही है। धार्मिक महत्व के अनुसार देवशयनी एकादशी के साथ ही 4 महीने के लिए भगवान श्री विष्णु शयनगार चले जाते है तथा सृष्टि का भार इन दिनों भगवान भोलेनाथ संभालते हैं। श्रीविष्णु के शयन काल के कारण ही इस समयावधि में शुभ मांगलिक कार्य, नूतन गृह प्रवेश, नई खरीददारी, जातकर्म संस्कार आदि बंद हो जाते हैं।

जब श्रीविष्णु अपनी निद्रा से जागते हैं यानी देवउठनी एकादशी से ही मांगलिक शुभ विवाह जैसे कार्यक्रम के आयोजन पुन- 4 माह बाद शुरू होंगे। देवशयनी एकादशी और चातुर्मास के दौरान धार्मिक कार्यक्रम अधिक शुरू हो जाते हैं तथा धर्मालुजन व्रत-उत्सवों के साथ 4 माह तक व्रत का संकल्प लेते हैं। चार्तुमास के इन दिनों में पापों का नाश करने तथा सौभाग्य और संतान के अच्छे जीवन के लिए धर्म-कर्म करते हैं। इन 4 महीने के दौरान अहंकार, क्रोध, ईर्ष्या, असत्य वचन आदि से बचना चाहिए।

देवशयनी एकादशी के संदर्भ में एक पौराणिक प्रसंग के अनुसार- राजा बलि परम वैष्णव भक्त था। उसने इंद्र को परास्त कर स्वर्ग पर अधिकार कर लिया था। भगवान श्रीविष्णु ने उससे युद्ध करना उचित न समझा और छलपूर्वक वामन रूप धारण करके उससे तीन पग भूमि मांग ली।

तब स्वर्ग लोक, मृत्यु लोक आदि नाप लिए और तीसरा पैर राजा के सिर पर रखा तथा इंद्र को राज्य लौटा कर राजा बलि को पाताल भेज दिया। इसी के उपरांत भगवान श्र?हरि ने चातुर्मास के लिए शयन किया। मान्यतानुसार जब भगवान श्रीविष्णु शयन करते हैं, तब मांगलिक कार्य के आयोजन नहीं होते हैं। इन 4 माहों तक धर्म-ध्यान ही होते हैं। इसमें खास तौर श्रावण में शिव उत्सव, भाद्रपद में श्रीमद्भागवत, आश्विन में श्राद्ध और देवी दुर्गा की आराधना होती है और फिर कार्तिक शुक्ल एकादशी को देव जागते हैं, तत्पश्चात मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है।

अत: इस बार 10 जुलाई देवशयनी एकादशी से 4 नवंबर 2022 देव प्रबोधिनी एकादशी तक यानी श्रीहरि के शयन काल के दौरान मांगलिक कार्य नहीं होंगे।

आषाढ़ मास के सोमवार को मिश्री के शिवलिंग की पूजा से क्या होता है?

शिवपुराण अनुसार भगवान विष्णु ने पूरे जगत के सुख और कामनाओं की पूर्ति के लिए भगवान विश्वकर्मा को अलग-अलग तरह के शिवलिंग बनाकर देवताओं को देने की आज्ञा दी। विश्वकर्मा ने अलग-अलग पदार्थों, धातु व रत्नों से शिवलिंग बनाए। जैसे पारद, मिश्री, जौ, चावल, भस्म, गुड़, फल फूल, स्वर्ण रजत, मिट्टी, दही, मक्खन, हीरे, मोती, मणि, मूंगा, नाग, पार्थिव, तांबा, इंद्रनील, पुखराज, पद्मराग, पीतल, लहसुनिया, रत्न, चंदन, स्फटिक आदि से शिवलिंग बनाए गए।

सभी शिवलिंग के नाम भी अलग-अलग दिए गए और सभी का प्रभाव भी अलग-अलग बताया गया। आओ जानते हैं कि आषाढ़ मास में मिश्री के शिवलिंग की पूजा करने के क्या लाभ हैं।

मिश्री शिवलिंग

1. चीनी या मिश्री से बने शिवलिंग को मिश्री शिवलिंग कहा जाता है।
2. कहते हैं कि इस की पूजा करने से रोगों का नाश होकर पीड़ा से मुक्ति मिलती हैं।
3. यदि आपके घर परिवार में किसी को किसी भी प्रकार का रोग है या तबियत खराब है तो मिश्री से बने शिवलिंग की विधिवत पूजा करने से रोगी का रोग दूर हो जाता है।
4. इस शिवलिंग को बनाने की विधि, पूजा विधि और मंत्र को अच्छे से किसी जानकार से पूछकर ही विधिवत पूजा करें।
5. मिश्री शिवलिंग पति-पत्नी के रिश्तों में मिठास लाते हैं। चंद्र के दोषों से मुक्ति दिलाते हैं।
6. मिश्री शिवलिंग से विवाह योग्य युवक-युवतियों के रिश्ते आना शुरू हो जाते हैं।

पक्षियों को दाना खिलाने से बनी रहती है देवी लक्ष्मी की कृपा

हम अपने घरों में सुख समृद्धि लाने के लिए बहुत से उपाय करते रहते हैं। वास्तु शास्त्र के अनुसार पक्षियों को दाना खिलाना शुभ होता है, लेकिन इसमें मामूली सी गलती इसके विपरीत नुकसान पहुंचा सकती है। कई बार अंजाने में ही हम सही हम कुछ न कुछ गलती भी कर जाते हैं।

ज्योतिष एवं वास्तु शास्त्र के अनुसार जो लोग पक्षियों को दाना डालते हैं उन पर हमेशा देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। अधिकतर लोग घर की छत या बालकनी में पक्षियों के लिए दाना डालते हैं लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि दाना डालने से भी नुकसान हो सकता है। पक्षियों को दाना डालना शुभ होता है, लेकिन उस समय कुछ गलतियां हो जाने से व्यक्ति को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। आप जैसे ही दाना डालते हैं तो पक्षी खाने के लिए पहुंच जाते हैं। इन पक्षियों में सबसे आम होता है कबूतर। कबूतर का दाना चुगने आना बेहद शुभ माना जाता है। कबूतर को ज्योतिष में बुध ग्रह का माना जाता है। कुछ लोग पक्षियों के लिए दाना छत पर डालते हैं। छत को राहू का प्रतीक माना जाता है। जब कबूतर दाना खाने छत पर आते हैं तो इस तरह बुध और राहू का मेल हो जाता है। इसके साथ ही जिस जगह पक्षी दाना खाते हैं वहां गंदगी भी हो जाती है। यदि आप जगह को साफ रखते हैं तो तो कोई परेशानी नहीं, लेकिन यदि गंदगी रहती है तो इससे अशुभ प्रभाव मिलने शुरू हो जाते हैं। इस स्थिति में घर में रहने वाले लोगों पर राहु हावी हो जाता है जो अशुभ रहता है।

एकाग्रता की सीख अर्जुन से लें

हमें शुरुआत से ही बार-बार ध्यान लगाकर काम करने की सीख दी जाती है पर वर्तमान में इस पर गौर किया जाए, तो ध्यान की कमी नजर आती है। एकाग्रता के संबंध में धनुर्धर अर्जुन से सीख लें। अर्जुन को अपने लक्ष्य के अतिरिक्त कुछ दिखाई नहीं देता था। जब मन एक कार्य पर एकाग्र होता है, उस समय ध्यान की तीव्रता अत्यधिक बढ़ जाती है। परिणामस्वरूप आप कार्यों को भली-भांति संपन्न करते हैं। आज के समय में जब प्रतियोगिता इतनी अधिक बढ़ गई है तो गहन कार्य या पूर्ण एकाग्रता के साथ काम करना न सिर्फ समय का सदुपयोग है, बल्कि समय नियोजन भी है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या की अगर कोई काट है तो वह मानसिक एकाग्रता के साथ संपन्न किया गया कर्म ही है। अगर आप इसे जीवन का धर्म बना लें तो इसके बाद आपकी क्षमता पूर्ण रूप से विकसित हो पाती है। उपनिषदों में दो शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं- कर्म और धर्म। धर्म का अर्थ है हमारा स्वभाव और कर्म जो हम करते हैं। कर्म में हमारी दृष्टि बाहर की ओर होती है और धर्म हमें अपने अंदर की ओर मोड़ देता है, अपने अंतर्मन की ओर। मन को लेकर हमें ज्ञात है कि इसे नियंत्रण में करना अति कठिन है, क्योंकि मन में भांति-भांति के उद्वेग उठते रहते हैं। इसे मन का विकार कहते हैं और जब यह मन विचलन से रहित हो जाता है उस शांत निर्विकार दशा को आत्मा कहते हैं।

सपने में दिवंगत परिजन आ रहे हैं तो समझिए संकेत

सपने कई कारणों से दिखाई देते हैं। जब हम कोई स्वप्न देखते हैं तो जरूरी नहीं कि प्रत्येक सपने का अच्छा या बुरा फल होता है। हालांकि स्वप्न शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार कुछ सपने हमें भविष्य का संकेत देते हैं या सतर्क करते हैं। इसी तरह के सपनों में एक है दिवंगतों का सपना बार-बार आना।

1. यदि किसी स्वस्थ व्यक्त का स्वर्गवास हो गया है और वह सपनों में बीमार दिखाई दे तो यह समझा जाता है कि उसकी कोई इच्छा है जिसे वह पूरी करना चहता है। आपको यह जानना चाहिए कि उसकी क्या इच्छा थी जिससे पूरा करना है। इसका यह भी मतलब है कि आपके घर में कोई बीमार पड़ने वाला है।
2. यदि सपने में आपको आपके मृत परिजन आपको दिखाई दें लेकिन वे चुप हो या कुछ भी बोल नहीं रहे हों तो यह माना जाता है कि वह आपको यह जताना चाहता है कि आपको कुछ गलत कर रहे हैं या कि आप भविष्य में कुछ गलत करने वाले हैं।
3. सपने में पूर्वज आकर आपको आशीर्वाद दे और कुछ कहे नहीं तो यह समझा जाता है कि भविष्य में आप किसी कार्य में सफल होने वाले हैं।
4. यदि सपने में आपके स्वर्गवासी पूर्वज या परिजन उदास दिखाई दे तो यह समझा जाता है कि वे आपके कार्य से खुश नहीं हैं। अत: आप सोच समझकर कोई कार्य करें।
5. यदि सपने में आपको आपके स्वर्गवासी परिजन आकाश में कहीं बहुत दूर दिखाई दे तो समझों की उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हो गई है।
6. यदि मृत परिचय सपने में घर में ही या पास में ही दिखाई दे तो यह समझा जाता है कि उनका आपके प्रति मोहभंग नहीं हुआ है। उनकी आत्मशांति के लिए आपको कुछ करना चाहिए।
7. मृत परिजनों का बार बार सपनों में आने का अर्थ है कि उनकी आत्मा भटक रही है। उन्हें दूसरा जन्म नहीं मिल पा रहा है या मुक्ति नहीं मिल पा रही है। उनकी आत्मशांति के लिए आपको श्राद्ध, तर्पण आदि करना चाहिए।
8. यदि ऐसा हो कि सपने में मृत परिजन आपको दूर नहीं खड़े दिखाई दे इसका अर्थ है कि परिवार में कुछ अच्छा होने वाला है। शादी, बच्चे का जन्म या अन्य कोई शुभ घड़ी आने वाली है।
9. यदि सपने में मृत परिजय अन्न या पानी मांग रहे हैं तो यह शुभ नहीं है। यह इस बात का संकेत है कि बुरा समय आने वाला है। इसका यह भी मतलब है कि उन्हें उचित स्थान नहीं मिला है। उनकी आत्मा की शांति के लिए कोई कार्य करें।
10. सपने में अपने मृत परिजन को रोते हुए देखें या क्रोध में देखें तो इसका मतलब है कि आप कुछ बुरा कार्य कर रहे हैं। आपके जीवन में कोई बड़ी परेशानी खड़ी होने वाली है।
11. सपने में मृत पिता या कोई अन्य परिजन आपको कोई सामान देता हुए दिखाई दे तो यह शुभ है और लेता हुआ दिखाई दे तो यह अशुभ है।
12. सपने में मृत पिता का जिंदा दिखाई देना इस बात का संकेत हैं कि वे चाहते हैं कि आप उनकी जगह किसी को पिता समान समझकर उसकी आज्ञा का पालन करें।
13. सपने में मां या पिता को हंसते हुए देखने का अर्थ है कि वे चाहते हैं कि आप उनके प्रति निश्चिंत रहें और खुश रहें। उनको लेकर दुःखी न हों।

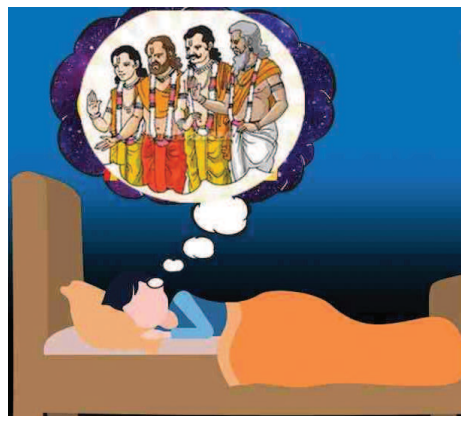

अप्रत्याशित लाभ कर से उत्पाद शुल्क कटौती से हुए नुकसान की भरपाई कर पाएगी सरकार

- उत्पाद शुल्क कटौती से सरकार को सालाना एक लाख करोड़ राजस्व के नुकसान का अनुमान

नई दिल्ली । देश में उत्पादित तेल और विदेशों में निर्यात किए जाने वाले ईंधन पर अप्रत्याशित लाभ कर से सरकार की उस नुकसान की भरपाई हो जाएगी, जो उसे पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती की वजह से उठाना पड़ रहा है। पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती से सरकार को सालाना एक लाख करोड़ रुपए के राजस्व नुकसान का अनुमान है। भारत एक जुलाई से वैश्विक स्तर पर उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने ऊर्जा की बढ़ती कीमतों से पेट्रोलियम कंपनियों को होने वाले अप्रत्याशित लाभ पर कर लगाया है। सरकार ने एक जुलाई से पेट्रोल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर छह रुपए प्रति लीटर और डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर का कर लगाया है। इसके अतिरिक्त घरेलू स्तर पर उत्पादित कच्चे तेल पर 23,250 रुपए प्रति टन का कर लगाया गया है। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में 2.97 करोड़ टन के तेल उत्पादन के आधार पर गणना की जाए, तो सरकार को सिर्फ ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी), ऑयल इंडिया लिमिटेड और वेदांता लिमिटेड जैसे कच्चे तेल उत्पादकों पर कर से ही सालाना 69,000 करोड़ रुपए मिलेंगे। यदि यह कर 31 मार्च, 2023 तक लागू रहता है, तो चालू वित्त वर्ष के शेष नौ महीनों में सरकार को अप्रत्याशित लाभ कर से 52,000 करोड़ रुपये की कमाई होगी। इसके अलावा, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर नया कर लगाया गया है, जिससे सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलेगा। भारत ने अप्रैल और मई में 25 लाख टन पेट्रोल, 57 लाख टन डीजल और 7,97,000 टन एटीएफ का निर्यात किया है। एक सूत्र ने कहा कि नए कर की वजह से भले ही आगे निर्यात की मात्रा में कमी आए, लेकिन यदि यह कर मार्च, 2023 तक कायम रहता है, तो सरकार को कम से कम 20,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलेगा।

डी बियर्स को चालू वित्त वर्ष में भी अच्छे कारोबार की उम्मीद

मुंबई । चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में मजबूत प्रदर्शन और उपभोक्ताओं की सकारात्मक धारणा के बल पर हीरा कारोबार से जुड़ी कंपनी डी बियर्स इंडिया को चालू वित्त वर्ष में भी कारोबार 2021 की तरह अच्छा रहने की उम्मीद है। कंपनी ने 2021 को कारोबार के लिए सर्वश्रेष्ठ वर्ष बताया था। डी बियर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक सचिन जैन ने मुंबई में अपने सालाना फोरम में कहा कि हीरा कारोबार के लिए वर्ष 2021 खनन से लेकर विनिर्माण और व्यापार से लेकर खुदरा के लिहाज से सर्वश्रेष्ठ वर्ष रहा है। इस साल के पहले छह महीने मजबूत रहे हैं, सकारात्मक उपभोक्ता धारणा बनी हुई है और कंपनी को उम्मीद है कि इस वर्ष भी कारोबार पिछले वर्ष की तरह बढ़िया रहेगा। उन्होंने कहा कि कंपनी की योजना इस साल स्टोर की संख्या बढ़ाकर 30 करने की है। अभी उसके 14 स्टोर हैं।

एनटीपीसी की इकाई राजस्थान में नवीकरणीय ऊर्जा पार्क विकसित करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी की शाखा एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनआरईएल) ने राजस्थान सरकार के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत राज्य में 10 गीगावॉट अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा बिजली पार्क (यूएमआरईपीपी) विकसित किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि एनटीपीसी समूह ने 2032 तक 60 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में एक कदम के तहत एनटीपीसी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल) ने 10 गीगावॉट का अल्ट्रा मेगा नवीकरणीय ऊर्जा बिजली पार्क विकसित करने के लिए राजस्थान सरकार के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि अपनी स्थापना के दो साल से भी कम समय में एनटीपीसी आरईएल ने विभिन्न निविदाओं में बोली लगाकर चार गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल की है, जो कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

विदेशी निवेशकों ने जून में शेयरों से 50,203 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय बाजारों से निकासी जून में लगातार नौवें महीने जारी रही। जून में एफपीआई ने 50,203 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। यह पिछले दो साल का निकासी का सबसे ऊंचा स्तर है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के आक्रामक रुख, ऊंची मुद्रास्फीति तथा घरेलू शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से एफपीआई लगातार बिकवाल बने हुए हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार 2022 के पहले छह माह में एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों से 2.2 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। यह उनकी निकासी का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। इससे पहले 2008 के पूरे साल में एफपीआई ने शेयर बाजारों से 52,987 करोड़ रुपए निकाले थे। विश्लेषकों ने आगाह किया है कि अभी एफपीआई की निकासी जारी रह सकती है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जून में शेयरों से 50,203 करोड़ रुपए निकाले। यह मार्च, 2020 के बाद उनकी निकासी का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। उस समय एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 61,973 करोड़ रुपए निकाले थे। फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि, ऊंची मुद्रास्फीति तथा शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की वजह से भी एफपीआई भारतीय शेयर बाजारों में बिकवाल बने हुए हैं। बाजार के जानकारों का कहना है कि भारत को लेकर व्यापक रुझान नकारात्मक बना हुआ है, जिसकी वजह से घरेलू शेयर बाजारों को लेकर एफपीआई का रुख सतर्कता वाला बना हुआ है। जून में अन्य उभरते बाजारों मसलन इंडोनेशिया, फिलिपीन, दक्षिण कोरिया, ताइवान और थाइलैंड में भी एफपीआई बिकवाल बने रहे।

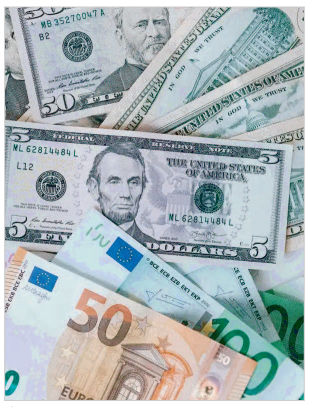

जून में 10 लाख करोड़ के पार हुआ यूपीआई से लेनदेन

नई दिल्ली । यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई (यूपीआई) आधारित डिजिटल पेमेंट लगातार दूसरे महीने जून में 10 लाख करोड़ रुपए से ऊपर रहा। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के हाल ही में जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार हालांकि यह पिछले महीने के मुकाबले करीब 3 फीसदी कम है। आंकड़ों के मुताबिक, यूपीआई आधारित डिजिटल पेमेंट जून 2022 में 10,14,384 करोड़ रुपए रहा। यह पिछले महीने के मुकाबले 2.6 फीसदी कम है। कुल मिलाकर माह के दौरान यूपीआई आधारित 5.86 अरब लेन-देन हुए। मई में कुल 5.95 अरब लेन-देन के जरिये 10,41,506 करोड़ रुपए के भुगतान हुए थे। वहीं अप्रैल में यूपीआई आधारित 5.58 अरब लेन-देन के जरिये 9,83,302 करोड़ रुपए के भुगतान हुए। गौरतलब है कि यूपीआई एक रियल टाइम पेमेंट सिस्टम है, जो एक बैंक के अकाउंट से दूसरे बैंक के अकाउंट में पैसा तुरंत ट्रांसफर करने की सुविधा देता है।

वाणिज्य मंत्रालय सितंबर से पहले ला सकता है नई विदेश व्यापार नीति

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय नई पांच साल की विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) इस साल सितंबर से पहले लाने की योजना बना रहा है। प्रत्येक जिले को निर्यात केंद्र में बदलने की योजना भी दस्तावेज का हिस्सा होगी। एक अधिकारी ने कहा कि एफटीपी का उद्देश्य निर्यात प्रोत्साहन और रोजगार सृजन रहेगा। वाणिज्य मंत्रालय के तहत आने वाला विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) यह नीति तैयार कर रहा है। वह जल्द योजना के लिए कोष के आवंटन को इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजेगा। अधिकारी ने बताया कि इस योजना के तहत शुरुआत में 50 ऐसे जिलों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा जिनके उत्पादों को आगे बढ़ाया जा सकता और जिनके निर्यात की व्यापक संभावनाएं हैं। डीजीएफटी प्रतिस्पर्धा के जरिये इन जिलों का चयन करता है। अधिकारी ने बताया कि जो राज्य और जिले इस योजना के तहत वित्तीय प्रोत्साहन पाना चाहते हैं उन्हें इसके लिए प्रतिस्पर्धा करनी होती है। देश में कुल 750 जिले हैं। यह राज्यों और जिलों के बीच एक प्रकार की प्रतिस्पर्धा होगी। हम इसके लिए विस्तृत दिशानिर्देश लेकर आएंगे। एफटीपी में इस योजना को भी शामिल किया जाएगा। यह केंद्र प्रायोजित योजना होगी। इसका 60 प्रतिशत भार केंद्र वहन करेगा और शेष राज्यों को उठाना होगा। हमारा प्रयास एफटीपी को सितंबर से पहले जारी करने का है। वाणिज्य मंत्रालय के दस्तावेज के अनुसार, राज्यों को निर्यात संवर्द्धन गतिविधियों में सक्रिय रूप से रुचि दिखानी होगी। उनकी भागीदारी के बिना निर्यात नहीं बढ़ेगा। जिलों को निर्यात केंद्र में बदलने की योजना का लक्ष्य निर्यात और विनिर्माण को प्रोत्साहन देना और जमीनी स्तर पर रोजगार सृजन है।

विदेशी बाजारों के रुख और कच्चे तेल के दाम से तय होगी बाजारों की दिशा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा घरेलू वृहद आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझान, कच्चे तेल की कीमतों और विदेशी निवेशकों के रुख से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का यह भी मानना है कि कंपनियों के तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने से पहले बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। उन्होंने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख और तिमाही नतीजों से पहले बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। बाजार के जानकारों ने कहा कि बाजार हर दिन निचले स्तर पर जाने के बाद उबर रहा है। वैश्विक बाजारों में कमजोरी, रुपये में गिरावट और घरेलू रिफाइनरियों के अप्रत्याशित लाभ पर कर जैसे कारकों से बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अब भी बिकवाली कर रहे हैं, लेकिन उनकी बिक्री की रफ्तार कम हुई है। ऐसे में यदि वैश्विक बाजार स्थिर रहता है, तो बाजार में तेजड़िया गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम, डॉलर सूचकांक और रुपये का उतार-चढ़ाव अन्य कारक हैं, जो आगे बाजार की दिशा तय करेंगे। बाजार के विश्लेषक कहते है कि इस सप्ताह तिमाही नतीजों के सीजन की शुरुआत होगी। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) आठ जुलाई को अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेगी। बाजार भागीदारों की निगाह इस पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख, कच्चे तेल की कीमतों का उतार-चढ़ाव और रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर खबरें बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगी। वृहद आर्थिक आंकड़ों के मोर्चे पर मंगलवार को खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के सेवा क्षेत्र के आंकड़े आएंगे, जो निश्चित रूप से कारोबारी धारणा को प्रभावित करेंगे। वृहद आर्थिक मोर्चे पर निवेशकों की निगाह फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक के ब्योरे पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक बाजारों का रुख चीन के मुद्रास्फीति के आंकड़ों से प्रभावित होगा, जो इस सप्ताह आने हैं। साथ ही घरेलू मोर्चे पर तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है। ऐसे में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से तीन कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 73,630 करोड़ घटा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से तीन के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 73,630.56 करोड़ रुपए की गिरावट आई। इस दौरान सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण भी घट गया। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, जीवन बीमा निगम (एलआईसी), भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), एचडीएफसी और भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई। हालांकि समीक्षाधीन सप्ताह में सात कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में कुल 49,441.05 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई, लेकिन यह तीन कंपनियों को हुए नुकसान से कम रही। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 62,100.95 करोड़ रुपए घटकर 16,29,684.50 करोड़ रुपए, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार मूल्यांकन 6,654.2 करोड़ रुपए के नुकसान से 4,89,700.16 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का 4,875.41 करोड़ रुपए की गिरावट के साथ 5,36,364.69 करोड़ रुपए रह गया।

वहीं इसके विपरीत इन्फोसिस की बाजार हैसियत 15,172.88 करोड़ रुपए बढ़कर 6,21,907.38 करोड़ रुपए, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 11,200.38 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 4,16,690.11 करोड़ रुपए, एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में 9,519.12 करोड़ रुपए बढ़कर 4,28,044.22 करोड़ रुपए, टीसीएस की बाजार हैसियत 8,489 करोड़ रुपए बढ़कर 12,13,396.32 करोड़ रुपए, सप्ताह के दौरान एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 3,924.46 करोड़ रुपए के उछाल से 4,01,114.96 करोड़ रुपए, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 1,043.49 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 3,69,833.12 करोड़ रुपए और एचडीएफसी बैंक की 91.72 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,51,892.03 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर रही।

उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, एलआईसी, एसबीआई, एचडीएफसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

हिंदुस्तान जिंक का धातु उत्पादन 14 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक का 2022-23 की पहली तिमाही में खनन से धातु उत्पादन 14 फीसदी बढ़कर 2,52,000 टन हो गया। हिंदुस्तान जिंक ने एक बयान में कहा कि खनन से धातु उत्पादन बढ़ने के पीछे वजह सिंदेसर खुर्द, रामपुरा अगुचा और कायद खानों में अयस्क का अधिक उत्पादन है। कंपनी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में खनन धातु उत्पादन 2,21,000 टन था। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में परिष्कृत धातु उत्पादन 260,000 टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दस फीसदी अधिक है।

मस्क और बेजोस सहित कई अरबपतियों की संपत्ति कम हुई

वाशिंगटन ।

विश्व के सबसे अमीर एलन मस्क की दौलत करीब 62 अरब डॉलर कम हुई है तो जेफ बेजोस की संपत्ति में लगभग 63 अरब डॉलर की गिरावट देखी गई। ब्लूमबर्ग के मुताबिक मार्क जुकरबर्ग की कुल संपत्ति में आधे से ज्यादा की गिरावट आई है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के ताजा आकलन के मुताबिक 2022 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में दुनिया के 500 शीर्ष अमीरों को 14 खरब डॉलर का नुकसान हुआ। यह वैश्विक अरबपति वर्ग के लिए अब तक की सबसे बड़ी छमाही गिरावट के रूप में दर्ज हुई है। कोरोना के बाद वाली समयावधि में यह सबसे तेज गिरावट है। इसमें टेक कंपनियों से लेकर क्रिप्टोकरेंसी तक हरेक मूल्य को स्लैश कर दिया गया है। बढ़ी हुई महंगाई से निपटने के लिए नीति निर्माताओं द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने के कारण कुछ ऊंचे मूल्य वाले शेयर और अरबपति बड़ा नुकसान झेल रहे हैं। टेस्ला आईएनसी की पिछली तिमाही अब तक की सबसे खराब थी। अमेजन आईएनसी को डॉट-कॉम बबल के बाद से सर्वाधिक नुकसान हुआ। ब्लूमबर्ग अरबपति सूची के अनुसार टेस्ला के सह-संस्थापक एलन मस्क के पास अब भी सर्वाधिक 208.5 अरब डॉलर की संपत्ति है। अमेजन के मालिक जेफ बेजोस 129.6 अरब डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के सबसे अमीर शख्स बर्नार्ड अरनॉल्ट 128.7 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ तीसरे स्थान पर हैं, इसके बाद बिल गेट्स 114.8 अरब डॉलर के साथ चौथे स्थान पर हैं।

जिंदल स्टील नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने 10,000 करोड़ खर्च करेगी

नई दिल्ली ।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने कॉर्बन उत्सर्जन कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने और अन्य हरित पहल पर 10,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी का इरादा अपने तापीय बिजली इस्तेमाल को कम कर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाने का है। कंपनी के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने यह जानकारी दी है। विभिन्न इस्पात कंपनियां अपने खुद के इस्तेमाल के लिए ताप बिजली उत्पादन के लिए कोयले का इस्तेमाल करती हैं। इस्पात मंत्रालय के दस्तावेज के अनुसार वैश्विक स्तर पर कुल कॉर्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) उत्सर्जन में लौह एवं इस्पात उद्योग का हिस्सा करीब आठ प्रतिशत बैठता है। भारत में कुल सीओ2 उत्सर्जन में इन उद्योगों का हिस्सा करीब 12 प्रतिशत है। ऐसे में सीओपी-26 जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में जताई गई प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए भारतीय इस्पात उद्योग को उत्सर्जन में कमी लाने की जरूरत है। जिंदल स्टील ने कहा कि हमने विभिन्न पहल से अपने कॉर्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लिए 10,000 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। इसके तहत हम तापीय बिजली के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाएंगे और कच्चे माल की गुणवत्ता में सुधार से अपनी ईंधन दर को बेहतर करेंगे। जिंदल ने कंपनी की 2021-22 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि हमने पहले ही एक गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के लिए अनुबंध किया है। इसमें से 225 मेगावॉट अप्रैल, 2022 में परिचालन में आ गई है। शेष नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग भी चरणों में शुरू होगा। उन्होंने कहा कि कंपनी के विजयनगर संयंत्र की क्षमता को 1.2 करोड़ टन सालाना से बढ़ाकर 1.95 करोड़ टन करने का काम चल रहा है। इस पर जो लागत आ रही है वह वैश्विक मानकों से काफी कम है।

काले गेहूं से कमा सकते हो अधिक मुनाफा, बाजार में मांग बढ़ी

- बाजार में काला गेहूं 7 से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल

नई दिल्ली । किसानों का झुकाव काले गेहूं और काले धान की ओर बढ़ा है क्योंकि इससे बंपर कमाई होती है। बाजार में काले गेहूं की मांग बढ़ रही है। साधारण गेहूं के मुकाबले काले गेहूं 4 गुना आधिक कीमत में बिकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बाजार में काला गेहूं 7 से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बिकता है जबकि सामान्य गेहूं 2 हजार रुपए प्रति क्विंटल है। काले गेहूं की खेती रबी मौसम में की जाती है। इसकी बुवाई के लिए नवंबर का महीना सबसे अच्छा माना जाता है। इसके लिए नमी बेहद जरूरी होती है। नवंबर के बाद काले गेहूं की बुआई करने पर पैदावार में कमी आ जाती है। काले गेहूं की खेती में जिंक और यूरिया डालना जरूरी होता है। एक अध्ययन के मुताबिक एक बीघे में 1000 से 1200 किलोग्राम तक काले गेहूं की पैदावार की जा सकती है। काले गेहूं में एंथोसाइनीन पिगमेंट की मात्रा ज्यादा होती है। इसकी वजह से यह काला दिखाई देता है। सफेद गेहूं में एंथोसाइनीन की मात्रा 5 से 15 पीपीएम होती है जबकि काले गेहूं में यह मात्रा 40 से 140 पीपीएम होती है। काले गेहूं में एक नैचुरल एंटी ऑक्सीडेंट और एंटीबायोटिक एंथ्रोसाइनीन काफी मात्रा में पाया जाता है, जो हार्ट अटैक, कैंसर, डायबिटीज, मानसिक तनाव, घुटनों का दर्द, एनीमिया जैसे रोगों में काफी कारगर होता है। काले गेहूं में कई पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं। इसमें आयरन की मात्रा भी अधिक होती है। काले गेहूं कैंसर, ब्लड प्रेशर, मोटापा और मधुमेह के मरीजों के लिए वरदान माना जाता है।

रोक के आदेश के बाद डीजीएफटी ने 16 लाख टन गेहूं निर्यात की अनुमति दी

- रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक बाजारों में गेहूं की आपूर्ति प्रभावित हुई

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने निर्यात पर रोक के 13 मई के आदेश के बाद 16 लाख टन गेहूं के निर्यात के लिए पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी किए हैं। एक अधिकारी ने कहा कि जिन निर्यातकों के पास रोक के आदेश से पहले की तारीख के वैध साख पत्र थे, उन्हें गेहूं के निर्यात की अनुमति दी गई है। सरकार उन निर्यातकों को गेहूं निर्यात की अनुमति दे रही है जिनके पास 13 मई से पहले के अपरिवर्तनीय साख पत्र (एलसी) हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से वैश्विक बाजारों में गेहूं की आपूर्ति प्रभावित हुई है। दोनों ही देश गेहूं के बड़े उत्पादकों में हैं। वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति में रूस-यूक्रेन का हिस्सा करीब 25 प्रतिशत का है। ऐसे निर्यातक जिनके पास वैध एलसी है उन्हें अपनी खेप के निर्यात के लिए अनुबंध पंजीकरण (आरसी) हासिल करने के लिए डीजीएफटी के क्षेत्रीय अधिकारियों के पास पंजीकरण कराना होता है। अधिकारी ने बताया कि अब तक करीब 16 लाख टन गेहूं निर्यात के लिए आरसी जारी किया गया है। अधिकारी ने कहा कि रूस ने तुर्की के रास्ते गेहूं का निर्यात शुरू कर दिया है। इससे वैश्विक बाजारों में इसकी कीमतों में स्थिरता आने की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2021-22 में भाव के हिसाब से भारत का गेहूं निर्यात 2.05 अरब डॉलर का रहा था। बीते वित्त वर्ष में भारत के कुल निर्यात में बांग्लादेश की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत थी। बीते वित्त वर्ष में भारत से गेहूं खरीदने वाले शीर्ष 10 देशों में बांग्लादेश, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, यमन, अफगानिस्तान, कतर, इंडोनेशिया, ओमान और मलेशिया शामिल हैं। भारत गेहूं का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। लेकिन वैश्विक गेहूं निर्यात में भारत की हिस्सेदारी एक प्रतिशत से भी कम है। 2020 में दुनिया में गेहूं के कुल उत्पादन में भारत का हिस्सा 14 प्रतिशत रहा था। भारत सालाना करीब 10.75 करोड़ टन गेहूं का उत्पादन करता है।

स्वियातेक विम्बलडन से बाहर हुई , कॉर्नेट अगले दौर में पहुंचीं

विंबलडन । पोलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। इसी के साथ ही स्वियातेक का 37 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी थम गया है। स्वियातेक को यहां महिला एकल के तीसरे दौर में एलिज कॉर्नेट ने सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से हराया। तकरीबन डेढ़ घंटे तक चले इस मुकाबले में स्वियातेक लय में नहीं दिखी जबकि विजेता खिलाड़ी कॉर्नेट ने शानदार शुरुआत की। वहीं महिला वर्ग में ही जेसिका पेगुला का क्वार्टर फाइनल में पहुंचने का सिलसिला तीसरे दौर में क्रोएशिया की पेट्रा मार्टिक के हाथों मिली हार के साथ ही समाप्त हो गया। मार्टिक ने अमेरिका की आठवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को 6-2, 7-6 से हराया। पेगुला इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन और फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी। रैंकिंग में 80वें स्थान पर कायम मार्टिक इससे पहले 2 बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची थीं। क्वार्टर फाइनल में प्रवेश के लिए अब उन्हें अगले मुकाबले में एलेना रयबकिना पर जीत दर्ज करनी होगी। वहीं हार्मनी टैन चौथे दौर में पहुंच गयी हैं। टैन ने स्थानीय खिलाड़ी कैटी बोल्टर को 6-1, 6-1 से हराया।

दूसरे एकदिवसीय में जीत का सिलसिला बनाये रखने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

सुबह 10 बजे शुरू होगा मैच

पालेकल ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सोमवार को यहां मेजबान श्रीलंका के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय मैच में भी जीत का सिलसिला जारी रखने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहला एकदिवसीय जीतकर सीरीज में पहले ही 1-0 की बढ़त हासिल की हुई है। अब उसका लक्ष्य दूसरा मैच भी जीतकर सीरीज पर कब्जा करना रहेगा। भारतीयह टीम ने अब तक इस दौरे में गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन करते हुए मेजबान टीम को कोई अवसर नहीं दिया है जिससे उसका मनोबल भी बढ़ा हुआ है। भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर शानदार फार्म में हैं। पिछले मैच में उन्होंने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी हालांकि उप कप्तान स्मृति मंधाना और युवा शेफाली वर्मा की सलामी जोड़ी अभी तक उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पायी हैं। ऐसे में अब मंधाना और शेफाली का लक्ष्य इस मैच में टीम को अच्छी शुरुआत देना रहेगा। भारतीय गेंदबाज श्रीलंका की धीमी पिचों पर अब तक सफल रही हैं। विशेषकर स्पिनरों ने मेजबान टीम की खिलाड़ियों पर अंकुश लगाते हुए विकेट भी लिए हैं। इस प्रकार स्पिनरों ने इस दौरे में भारतीय टीम की अब तक की सफलता में अहम भूमिका निभाई है। पहले एकदिवसीय की बात करें तो मध्यम गति की गेंदबाज रेणुका सिंह ने 29 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि दीप्ति शर्मा ने 25 रन देकर तीन विकेट लेकर मेजबान टीम को बेबस कर दिया था जिससे वह बढ़ा स्कोर नहीं बना पायीं। भारतीय गेंदबाजों ने जहां दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं बल्लेबाज अपनी निरंतरता बरकरार नहीं रख पाये हैं। शेफाली अब तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दिला पायी हैं। पहले एकदिवसीय में कम स्कोर का पीछा करते हुए शीर्ष क्रम एक समय संघर्ष करता दिया। इसके बाद हरमनप्रीत, हरलीन देओल के अलावा मध्यक्रम की अन्य बल्लेबाजों ने टीम को संभाला और उसे लक्ष्य तक पहुंचाया। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम इस मैच में अच्छा प्रदर्शन कर सीरीज में वापसी चाहेगी। श्रीलंकाई टीम को कप्तान चामरी अटापट्टू सहित अन्य बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेगी। सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षी डि सिल्वा ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें भागीदारियां बनानी होंगी। दूसरी ओर गेंदबाजी में बायें हाथ की स्पिनर इनोका रणवीरा ने अच्छा प्रदर्शन किया है पर उसे साथ खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला है। टीम पहले ही टी20 सीरीज हारी है , ऐसे में उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार इस सीरीज को बचाना रहेगा पर इसके लिए उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना होगा।

भारतीय धाविका पारूल ने महिला 3000 मीटर स्पर्धा में बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली ।

भारतीय धाविका पारूल चौधरी ने लॉस एंजिलिस में महिला 3000 मीटर स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया है। पारुल ने आठ मिनट 57.19 सेकेंड का समय निकाला। इस भारतीय धाविका ने इसी के साथ ही साउंड रनिंग मीट के दौरान राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। वह महिला 3000 मीटर स्पर्धा में नौ मिनट से कम समय लेने वाली देश की पहली एथलीट बनी। स्टीपलचेज खिलाड़ी पारूल ने इसी के साथ ही छह साल पहले के सूर्या लोंगनाथन के नौ मिनट 4.5 सेकेंड के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ा। दौड़ में पारूल पांचवें स्थान पर चल रही थी पर अंतिम दो लैप में जोरदार प्रदर्शन करते हुए वह पोडियम पर जगह बनाने में सफल रही। तीन हजार मीटर हालांकि गैर ओलंपिक स्पर्धा है। पारूल को इस महीने अमेरिका के ओरेगन में होने वाली विश्व चैंपियनशिप के लिए भी भारतीय टीम में शामिल किया गया है। वह महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज में भाग लेंगी।

नडाल और किर्गियोस विम्बलडन टेनिस के चौथे दौर में पहुंचे

विंबलडन।

स्पेन के टेनिस स्टार राफेल नडाल तीसरे दौर के मुकाबले में लोरेंजो सोनेगो को हराकर विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पहुंच गये हैं। नडाल ने तीसरे दौर के मुकाबले में लोरेंजो सोनेगो को 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। अब चौथे दौर में नडाल का मुकाबला बोटिक वान डि से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में निक किर्गियोस ने यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास पर 6-7, 6-4, 6-3, 7-6 से जीत दर्ज करते हुए चौथे दौर में प्रवेश किया है। यहां अब उनका सामना ब्रैंडन नाकाशिमा से होगा। किर्गियोस साल 2016 के बाद पहली बार ऑल इंग्लैंड क्लब के चौथे दौर में पहुंच गये हैं। पिछले साल फ्रेंच ओपन के उप-विजेता रहे सिटसिपास ने मैच के बाद किर्गियोस के खराब व्यवहार की आलोचना भी है। अब सोमवार को टेलर फ्रिट्ज का मुकाबला क्वालीफायर जेसन कुबलर से होगा।

शतरंज ओलंपियाड : भारत ओपन सेक्शन में तीसरी टीम को उतारने की कर रहा तैयारी

नई दिल्ली.

भारत ने 28 जुलाई से 10 अगस्त तक महाबलीपुरम में होने वाले 44वें शतरंज ओलंपियाड में अपनी अब तक की सर्वोच्च भागीदारी दर्ज करने के लिए अंतिम मिनट में प्रवेश पाने के बाद ओपन सेक्शन में तीसरी टीम को मैदान में उतारा। ग्रैंडमास्टर सूर्य शेखर गांगुली, कार्तिकेयन मुरली, एसपी सेथुरमन, अभिजीत गुप्ता और अभिमन्यु पुराणिक में गुजरात के पहले ग्रैंडमास्टर तेजस बाकरे के साथ कप्तान के रूप में तीसरी भारतीय टीम शामिल है। ओलंपियाड में रिकार्ड तोड़ 187 टीमें शामिल हुईं, जहां पहले कभी ऐसा नहीं देखा गया। भारत में तसलीम के लिए पंजीकरण किया है और प्रविष्टियों की संख्या को बराबर करने के लिए, मानक के अनुसार फीडे ने मेजबान देश से एक तीसरी टीम को मंजूरी दी है। एआईसीएफ के सचीव भरत सिंह चौहान ने कहा, ÷यह भारत का अब तक का सबसे अच्छा उपहार है। सपने में भी यह कल्पना करना मुश्किल है कि एक ओलंपियाड में 25 भारतीय एक साथ भाग लेंगे। ओलंपियाड के आयोजकों और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) के अधिकारियों के रूप में यह हम सभी के लिए सबसे गर्व का क्षण है। छह बार के राष्ट्रीय चैंपियन रह चुके गांगुली, विश्वनाथन आनंद के साथ दूसरे स्थान पर थे और वे अब तक छह शतरंज ओलंपियाड में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सेथुरमन पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन भी हैं और 2014 में ट्रोम्सो ओलंपियाड में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। गांगुली ने बताया, ÷लंबे समय के बाद और अपने ही देश में पहली बार किसी ओलंपियाड में खेलने से ज्यादा रोमांचक कुछ नहीं हो सकता। यह ओलंपियाड बहुत खास होने जा रहा है। आनंद और पेंटाला हरिकृष्णा के बाद गुप्ता विश्व जूनियर खिताब जीतने वाले तीसरे भारतीय रह चुके हैं और पांच मौकों पर राष्ट्रमंडल खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय भी हैं। गुप्ता ने 2012 में इस्तांबुल ओलंपियाड में व्यक्तिगत रजत पदक भी जीता है। 23 वर्षीय के. मुरली ने दो बार राष्ट्रीय खिताब जीता और 22 वर्षीय पुराणिक के साथ ओलंपियाड में भारत के लिए डेब्यू करेंगे। प्रत्येक देश पांच खिलाड़ियों की एक टीम को मैदान में उतार सकता है, लेकिन एक मेजबान के रूप में भारत प्रत्येक श्रेणी में नयूनतम दो टीमों और अधिकतम तीन टीमों को मैदान में उतारने का हकदार है। महिला वर्ग ने अब तक की सर्वाधिक 162 प्रविष्टियां प्राप्त की हैं और भारत पहली बार भी इस वर्ग में दो टीमों को मैदान में उतारेगा।

साहा को बंगाल क्रिकेट से एनओसी मिली,अब त्रिपुरा से खेलेंगे

नई दिल्ली ।

अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाजऋद्धिमान साहा को बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (कैब) से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया है। साहा ने कैब से विवाद के बाद बंगाल टीम की ओर से खेलने से इंकार करते हुए एनओसी मांगी थी। अब वह घरेलू क्रिकेट में अगले सत्र से त्रिपुरा टीम के मेंटॉर और कप्तान के रुप में नजर आयेंगे।

कैब ने साहा को एनओसी देते हुए अपने एक बयान में कहा, 'साहा कैब में आए और उन्होंने अध्यक्ष अविषेक डालमिया को एक आवेदन देकर एनओसी मांगा था। इसी के तहत ही सीएबी ने साहा के अनुरोध को स्वीकार करते हुए उन्हें दूसरे राज्य से खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र दे दिया है। कैब उनको बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है। कैब से विवाद के बाद साहा ने गुजरात और बड़ौदा क्रिकेट सहित कुछ अन्य क्रिकेट बोर्ड के साथ बातचीत की थी पर किसी से सहमति नहीं मिलने के बाद अंत में वह त्रिपुरा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से खेलने को तैयार हुए।

साहा ने अपने फर्स्ट क्लास क्रिकेट करियर में 122 मैचों में करीब 42 के औसत से कुल 6423 रन बनाए हैं। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 38 अर्धशतक और 13 शतक भी लगाए हैं जबकि उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 203 रन है। साहा ने खेल के सबसे लंबे प्रारुप और एकदिवसीय में भारत की ओर से अभी तक 40 टेस्ट मैचों में 29.41 की औसत से 6 अर्धशतक और 3 शतकों सहित कुल 1353 रन बनाए हैं। आईपीएल में वह 15 वें सत्र की विजेता टीम गुजरात टाइटंस में शामिल थे।

जडेजा ने एंडरसन सहित अपने सभी आलोचकों को दिया जवाब

बर्मिंघम । टीम इंडिया के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा ने इंग्लैंड के खिलाफ शतकीय पारी खेलकर अपने आलोचकों को करारा जवाब दिया है। जडेजा पिछले कुछ मैचों में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे जिसके बाद से ही उनकी आलोचनाएं शुरु हो गयी थी। वहीं मैच के बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा, जडेजा पहले नंबर-8 पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरते थे। ऐसे में उनके पास बल्लेबाजी के लिए कम अवसर रहते थे पर अब वह सातवें नंबर पर खेल रहे हैं जिसका लाभ भी उन्हें मिल रहा है। एंडरसन और जडेजा के बीच साल 2014 में विवाद भी हुआ था। जिसको लेकर उनपर कार्रवाई थी हुई थी। जडेजा से जब एंडरसन के जवाब को लेकर प्रतिक्रिया पूछी गयी तो उन्होंने कहा कि जब आज रन बनाते हैं तो सभी तारीफ करते हैं। मेरा लक्ष्य क्रीज पर टिककर खेलना रहा है। एंडरसन को भी इस बारे में अहसास हुआ है जिससे मैं बहुत खुश हूं. वहीं इंग्लैंड में अपने पहले टेस्ट शतक पर जडेजा ने कहा कि यहां आपको शरीर के नजदीक होकर खेलना होता है, क्योंकि गेंद स्विंग होती है। ऐसे में शुरुआत में मैंने ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर खेलने का ज्यादा प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि दबाव के बीच शतक बनाने से मनोबल बढ़ता है जिसका लाभ मुझे आगे के मैचों में भी मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

लारा ने रिकार्ड तोड़ने पर बुमराह को बधाई दी

जबेस्टन । वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भारतीय क्रिकेट टीम के टेस्ट कप्तान जसप्रीत बुमराह को एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाकर उनकार रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बधाई दी है। बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में कप्तान के तौर पर उतरते हुए स्टूअर्ट ब्राड के एक ही ओवर में 31 रन बना दिये। ये एजबेस्टन में टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक ओवर में सबसे अधिक हैं। इससे पहले कप्तान के तौर पर एक ही ओवर में सबसे ज्यादा 28 रनों का विश्व रिकार्ड लारा के नाम था। वहीं बुमराह 16 गेंदों में 31 रन बनाकर नाबाद रहे। बुमराह की पारी पर लारा ने ट्वीट किया, युवा जसप्रीत बुमराह को टेस्ट में एक ओवर में सर्वाधिक रन बनाने का मेरा रिकॉर्ड तोड़ने पर बधाई। अच्छा हुआ। लारा का ट्वीट जल्द ही वायरल हो गया और प्रशंसकों ने बुमराह की प्रशंसा करने वाले महान बल्लेबाज की सराहना की। एक प्रशंसक ने लिखा, बैटिंग लीजेंड बल्लेबाजी के लिए एक बॉलिंग लीजेंड की सराहना कर रहा है क्या पल है। वहीं एक अन्य प्रशंसक ने ट्वीट किया कि भारत का यह तेज गेंदबाज टेस्ट क्रिकेट में 400 रन के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ देगा। लारा के अलावा जॉर्ज बेली के नाम भी 28 और केशव महाराज के नाम भी एक ओवर में इतने ही रनों का रिकार्ड है।

अब मुम्बई के घरेलू क्रिकेटरों को भी मिलेगा केंद्रीय अनुबंध : एमसीए

मुंबई। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) ने घरेलू क्रिकेटरों को टीम इंडिया जैसा अनुबंध देने का फैसला किया है। इससे प्रथम श्रेणी क्रिकेटरों को लाभ होगा। एमसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, यह फैसला हाल में शीर्ष परिषद की बैठक में लिया गया और यह बीसीसीआई के अनुबंध जैसा ही होगा। संघ की क्रिकेट सुधार समिति (सीआईसी) इसके लिए काम कर रही है। गौरतलब है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने साल 2019 में घरेलू क्रिकेटरों को अनुबंध देने की बात कही थी। एमसीए की सीआईसी में इस समय नीलेश कुलकर्णी, जतिन परांजपे और विनोद कांबली शामिल है। बीसीसीआई पुरूष और महिला क्रिकेटरों से केंद्रीय अनुबंध करता है और उन्हें उनके ग्रेड के अनुसार सालाना राशि दी जाती है। अब अनुबंध के बाद एमसीए भी बोर्ड के ग्रेडिंग सिस्टम के तहत ही अपने खिलाड़ियों को अलग-अलग ग्रेड में बांटेगी हालांकि, कितने खिलाड़ी अनुबंध का हिस्सा होंगे और कितने अलग-अलग ग्रेड होंगे, यह अभी तय नहीं हुआ है हालांकि जिन खिलाड़ियों को बीसीसीआई का केन्द्रीय अनुबंध मिला है वे एमसीए की इस सूची से बाहर रहेंगे। इस प्रकार अधिक से अधिक घरेलू खिलाड़ियों को इस योजना का लाभ मिलने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2021-22 घरेलू सत्र में मुंबई की टीम के अच्छे प्रदर्शन के बाद अध्यक्ष विजय पाटिल ने इस अनुबंध का प्रस्ताव बनाया था। इसे सैद्धांतिक रूप से अपेक्स काउंसिल की सहमति मिल गई है। अब अगले माह अगस्त में होने वाली एजीएम में इसे पेश किया जाएगा और इसमें भी इस प्रस्ताव पर सहमति बननी तय है। संघ ने इस बीच अपनी रणजी ट्राफी उपविजेता टीम के लिये एक करोड़ रूपये के पुरस्कार को भी मंजूरी दे दी है।

अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम के सहायक कोच बर्खास्त , शोषण के लगे थे आरोप

नई दिल्ली । भारतीय अंडर-17 महिला टीम फुटबॉल टीम के सहायक कोच एलेक्स एम्ब्रोस को बर्खास्त कर दिया गया है। एलेक्स पर खिलाड़ियों ने शोषण का आरोप लगाया था। इसी को देखते हुए ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआईएफएफ) ने जांच के आदेश दिए थे। प्रशासकों की समिति (सीओए) के मुख्य सदस्य डॉ एसवाई कुरैशी ने कोच को बर्खास्त करने की बात सार्वजनिक की है। कुरैशी ने सोशल मीडिया पर कहा, अंडर-17 महिला टीम के सहायक कोच एलेक्स एम्ब्रोस को यौन शोषण के आरोप में हटा दिया गया है। साथ ही कहा कि आगे की कार्रवाई जारी है। इससे पहले फुटबॉल फेडरेशन ने कहा था कि यूरोप दौरे पर गई महिला टीम के साथ अनुचित व्यवहार की जानकारी मिलती के बाद से ही हमने अनुशासनहीनता को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। इसके तहत ही फेडरेशन ने आगे की जांच होने तक संबंधित व्यक्ति को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है।

बेन स्टोक्स ने खराब बल्लेबाजी की : पीटरसन

बर्मिंघम।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने एजबेस्टन में पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट के तीसरे दिन भारत के खिलाफ पहली पारी में बल्लेबाजी करने के लिए मौजूदा कप्तान बेन स्टोक्स को फटकार लगाते हुए कहा कि उन्होंने खराब बल्लेबाजी की। रविवार को स्टोक्स इंग्लैंड की पहली पारी में 25 रन पर आउट हो गए। कप्तान जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी द्वारा विकेट के दोनों ओर हमले करने के बाद, स्टोक्स ने इस प्रक्रिया में कुछ रन हासिल करते हुए तेज गेंदबाजों के खिलाफ तेज रन बनाने का विकल्प चुना। शार्दुल ठाकुर और बुमराह के आसान कैच छोड़ने से उन्हें दो बार जीवनदान मिला। इसके बाद, स्टोक्स ठाकुर की गेंद पर एक बड़ा शॉट लगाने के लिए बाहर निकले और बुमराह ने मिड-ऑफ पर एक शानदार डाइविंग कैच लिया, जिससे वह 25 रन बनाकर आउट हो गए। बेयरस्टो के साथ उनकी 66 रन की साझेदारी समाप्त हो गया। पीटरसन ने स्काई स्पोर्ट्स पर लंच ब्रेक के दौरान कहा, मैंने स्टोक्स को दबाव में खेलते देख रहा था और वह गेंद को हवा में मार रहे थे। यह लापरवाह बल्लेबाजी थी। यह आपके विकेट का बचाव नहीं कर रहा था। टेस्ट मैच में धैर्य और अनुशासन के साथ बल्लेबाजी की जाती है। उनका इस तरह से आउट होना अच्छा नहीं था। जॉनी बेयरस्टो, जो स्टोक्स के साथ कल से बल्लेबाज कर रहे थे, उन्होंने 113 गेंदों में नाबाद 91 रन बनाने के लिए अपने आक्रामक बल्लेबाजी शैली पर भरोसा किया। पीटरसन ने स्टोक्स को बेयरस्टो की बल्लेबाजी से सबक लेने की सलाह दी, जो शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम के मुख्य कोच के रूप में कार्यभार संभालने के बाद से शुरूआती सत्र में इंग्लैंड के आक्रामक इरादे के बारे में पूछे जाने पर, पीटरसन ने टिप्पणी की कि बेयरस्टो बल्ले से इंग्लैंड का अच्छे से नेतृत्व कर रहे हैं।

डेनमार्क में टूर डी फ्रांस रेस में जीत के बाद उत्साहित टीम फेबियो के जैकोबसिन उत्साहित होते हुए।

सूरत के अग्रवाल हॉल में पूरे संघवी परिवार द्वारा गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी का अभिनंदन समारोह किया गया

सूरत। पूरे संघवी परिवार ने आज सूरत के घोड़दोड़ क्षेत्र के अग्रवाल हॉल में गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया.परिवार के सदस्यों ने राज्याभिषेक अवधि के दौरान गृह राज्य मंत्री द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और कामना की कि वह भविष्य में भी गुजरात के लोगों के कल्याण के लिए हमेशा काम करते रहें।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने उन परिवार के सदस्यों और समुदाय के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया जो जीवन के हर पड़ाव पर एक साये की तरह एक साथ रहे हैं और उन्हें हमेशा सार्वजनिक सेवा के लिए प्रेरित करते हैं। सार्वजनिक जीवन में परिवार और समाज की प्रेरणा ने मुझे लोक सेवा के लिए एक नई प्रेरणा दी है।

लोक सेवा के लिए गृह राज्य मंत्री के पद की आवश्यकता नहीं है, लेकिन इस बात पर जोर देते हुए कि मन में जनहित की भावना होनी चाहिए, नई पीढ़ी ने राष्ट्रवाद के साथ साहसी होने और जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा तैयार रहने का आग्रह किया। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को रचनात्मक रूप से निर्देश दिया कि वे अपनी पूरी दिनचर्या, दिन के दौरान किए गए कार्य, अनुभवों के लेखन या रिकॉर्डिंग और जनहित में किए गए अच्छे कार्यों का रिकॉर्ड रखें।

मंत्री ने यह भी कहा कि विरांजलि कार्यक्रम की सफलता के बाद निकट भविष्य में सूरत में नाटक 'मिच्छामी दुक्कड़म' का आयोजन किया जाएगा और सूरत के साथ-साथ राज्य और देश के विभिन्न स्थानों पर इसका मंचन किया जाएग

समारोह में मंत्री की मां देविकाबेन सांघवी, पत्नी प्राचीबेन सांघवी के साथ-साथ सूरत, मुंबई, अहमदाबाद और दीसा के परिवार के सदस्य, नेता और मेहमान शामिल हुए।

वार्ड नंबर 27 में कक्षा 10 और 12 में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का सम्मान समारोह संपन्न

सूरत भूमि, सूरत।

डिंडोली डिंडोली वार्ड नंबर 27 के पार्षद सुधाकर एल चौधरी द्वारा कक्षा 10 और 12 में उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियों का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था नवागांव के सीआर पाटील भवन बिलिया नगर 2 में रखा गया था। इस अवसर पर सूरत महानगर पालिका के शासक पक्ष नेता अमित सिंह राजपूत एवं वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण के पार्षद भाईदास पाटील ,पार्षद श्रीमती निराला सिंह राजपूत, पार्षद शशि बहन त्रिपाठी एवं शिक्षण समिति के सभ्य शुभम उपाध्याय एवं हरकेश सिंह राजपूत उर्फ बबलू भाई उपस्थित होकर सभी विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाएं अवसर पर हरिकेश सिंह राजपूत उर्फ बबलू ने सभी छात्रों से कहा कि भविष्य में अगर आपको कभी भी हमारी जरूरत पड़ेगी तो हम सदैव आपके लिए उपस्थित रहेंगे हरिकेश सिंह राजपूत उर्फ बबलू ने कहा कि वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण के सभी पार्षद एवं भाजपा परिवार आप लोगों के भविष्य की मंगल कामना करता है। इस मौके पर उपस्थित धर्मात्मा त्रिपाठी ने भी विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाया।

सूरत में जिम शाइन जिम का शुभारंभ

सूरत। सूरत में चौथी शाखा शुरू की गई है और विभिन्न गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। सूरत के पीपुलोड में जिमशाइन नाम की एक जिम की शाखा का उद्घाटन किया गया जिसमें कई हस्तियां मौजूद रहीं और जिम का उद्घाटन किया गया।

जिम शाइन जिम की सूरत में कुल 4 शाखाएं हैं।इस शाखा में जिम में बॉडी बिल्डिंग, योग, जुंबा, एरोबिक्स, वेटलिफ्टिंग की ट्रेनिंग भी दी जाती है साथ ही जिम में सर्टिफाइड ट्रेनर द्वारा ट्रेनिंग भी दी जाती है। जिम के उद्घाटन में सोशल मीडिया पर 1 मिलियन से अधिक हस्तियों ने भाग लिया। उद्घाटन के दिन सदस्यों को 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। गौरतलब है कि आज के समय में शरीर को सुदृढ़ रखने के लिए जिम की बेहद जरूरत है। शरीर को खूबसूरत बनाए रखने के लिए आज के समय में जिम का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है।

नेकेड (NYKD) बाय नायका ने भूमि पेडनेकर को ब्रांड एंबेसडर बनाया

सूरत ।लॉन्जरी के बारे में न तो कभी खुलकर बात की गई और न ही कभी कोई चर्चा हुई, लॉन्जरी पर बातचीत लंबे समय तक बंद दरवाजों के पीछे तक ही सीमित रही। ऐसे कई मौके आते है जिनके बारे में आप लोगों को बताना चाहते है जैसे लॉन्जरी लेते समय किसी स्टोर हेल्पर के साथ एक असहज परिस्थिति में पड़ना या फिर आपको कभी कोई लॉन्जरी इतनी आरामदायक लगती है कि आप अपनी बेस्ट फ्रेंड को भी उसके बारे में बताना चाहती है! लेकिन रोजमर्रा की बुनियादी जरूरत होने के बावजूद इसके बारे में पर्याप्त चर्चा नहीं हो पाती है! नेकेड (NYKD) बाय नायका को उम्मीद है कि वह इस परम्परा को खत्म कर देगा और सभी को आरामदायक ब्रा के बारे में बताएगा, जो स्पष्ट रूप से महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा आरामदायक परिधान होना चाहिए। ब्रांड ने अपना नया कैंपेन शुरू करने के लिए लोकप्रिय और बेबाक भूमि पेडनेकर के साथ पार्टनरशिप की है।

भूमि, जो समसामयिक मुद्दों के बारे में आवाज उठाने और अपने प्रभाव का उपयोग करने के लिए प्रसिद्ध है, अब वो एक और ऐसे मुद्दे को लोगों को सामने लेकर आ रही है, जो खुद उनके अपने दिल के करीब भी है -द एब्रीडे कम्फर्ट ऑफ वूमन! इस कैंपेन के जरिए, वे हर दिन महिलाओं द्वारा उठाए जाने वाले बुनियादी, वास्तविक मुद्दों पर चर्चा करने से जुड़ी असुविधा और झिझक को दूर करने की उम्मीद करती है, खासकर जब ब्रा जैसी वॉर्डरोब की जरूरी चीजों की बात आती है। भूमि में, ब्रांड के लिए एकदम सही चुनाव है और अब दोनों साथ मिलकर महिलाओं के कम्फर्ट और ब्रा के साथ उनके रिश्ते पर खुलकर बात करने के लिए निकल पड़े हैं। अपने शुरुआत से ही, नेकेड (NYKD) बाय नायका ने महिलाओं को उनके इंटीमेट वियर के मामले में सही जानकारी देकर उनकी मदद करने को अपना मिशन बना लिया है। नेकेड (NYKD) का उद्देश्य महिलाओं को गलत आकार, गलत स्टाइल, ब्रा हिक्की और बल्की ब्रा,जो टी-शर्ट के नीचे दिखाई देती है, जैसी ब्रा खरीदने के दौरान उनके सामने आने वाली सामान्य समस्याओं का समाधान प्रदान करना है।

'एज़ गुड ऐज़ नेकेड (NYKD)' नाम से शुरू किए गए इस 360-डिग्री कैंपेन के लिए दो फिल्म तैयार की गई है जिसमें, भूमि ब्रा से जुडी आम गलतफहमियों को दूर करने के साथ ही ब्रा से जुडी महिलाओं की आम समस्याओं पर खुलकर बात करेगी। भूमि के साथ शुरू किए गए इस कैंपेन का लक्ष्य सही लॉन्जरी को खोजने की प्रक्रिया को आसान बनाने के साथ ही कम्फर्ट का जश्न मनाना है।

वेसु-आगमोधरक धानेरा आराधना भवन में आज भव्य चतुर्मास का प्रवेश हुआ

सूरत।

सूरत शहर के सबसे महंगे और धर्म रंग से रंगे हुए वेसु विस्तार में स्थित श्री आगमोधारक धानेरा आराधना भवन वेसू जैन संघ सूरत के आंगन में प.पु.आ.भ.श्री. अशोकसागर सुरिश्वर म.सा., प.पु.आ.भ.श्री. सागर चंद्र सागर सूरी म.सा., प.पु.आ.भ.श्री. सौम्यचंद्र सागर सूरी म.सा. तथा प.पु.आ.भ.श्री. विवेकचंद्र सागर सूरी म.सा.के नए निर्मित उपाश्रय में भव्य चतुर्मास का प्रवेश हुआ।

सुबह 8:30 बजे हीराबेन जीवनलाल कोठारी परिवार के आंगन में युग भूमि से प्रवेश यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ था जिसमें बैंड बाजा ढोल नगाड़ा के साथ लगभग 20 महिलाओं का महिला मंडल, लाभार्थी बगी , भगवानकी बगी आदि शामिल हुए। जो युग भूमि से शुरू हुआ ब्लॉसम, फ्लोरेस, हैंपटन यार्क, जोली से होते हुए आगमोधारक उपाश्रय में पूर्ण हुआ, जहां उपाश्रय में प्रवचन सभा का भी आयोजन हुआ।

इस अवसर पर प.पु.आ.भ.श्री. नयचंद्रसागर सूरी म.सा., प.पु. गणिवर्य श्री आगमचंद्रसागर सूरी म.सा. आदि उपस्थित थे।

प्रवचन सभा का शुभारंभ स्वागत गीत और प्रासंगिक प्रवचन के साथ हुआ था जिसमें चंपक भाई कोठारी का सम्मान किया गया सभा का संचालन सुरेश डी द्वारा किया गया था। इस अवसर पर इस संघ के मार्गदर्शक श्री सागरचंद्र सागर सूरी म.सा. ने बताया कि इसने उपाश्रय में चार चार सूरी भगवंत एक साथ पहली बार चतुर्मास करेंगे इस आराधना भवन के आजू-बाजू 1200 जितने जैन के घर हैं हर किसी को आराधना का लाभ मिलेगा।

सिट्रॉन ने सुरत में "ला मैसन सिट्रोएन" फिजिटल शोरूम का किया उद्घाटन , नई कार सी3 की प्री-बुकिंग प्रारंभ

सूरत । फ्रांस की कार निर्माता सिट्रोएन ने सूरत में "ला मैसन सिट्रोएनज फिजिटल शोरूम के लॉन्च के साथ-साथ अपने लेटेस्ट 'हैचबैक विद ए ट्विस्ट्ज - न्यू C3 के लॉन्चिंग की घोषणा की। सूरत के पॉश इलाके में स्थित कंपनी का शोरुम ऑटो रिटेल के लिए सबसे रणनीतिक स्थान है। यह चंडीगढ़, जयपुर, लखनऊ, भुवनेश्वर, नागपुर, विजाग, कालीकट और कोयंबटूर में 9 नए ला मैसन फिजिटल शोरूम के साथ पूरे भारत में कंपनी के नेटवर्क विस्तार का हिस्सा है। शोरूम ग्राहकों को एक आरामदायक टेस्ट ड्राइव, अनुभव और पूर्ण बिक्री के बाद सेवाएं भी प्रदान करेगा।

ला मैसन सिट्रोएन के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए सिट्रोएन इंडिया के ब्रांड हेड, सौरभ वत्स ने कहा, "हम सूरत में ला मैसन सिट्रोएन" को इनोवेट करने और लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं और यह फिजिटल शोरूम एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम मेनस्ट्रीम कार न्यू सी3 के लॉन्च की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस शोरूम में कई स्क्रीन होंगी, जो ATAWADAC (एनी टाइम एनी वेयर एनी डिवाइस एनी कंटेंट) अनुभव कराएगी। एक अद्वितीय हाई डेफिनिशन 3डी कॉन्फिगरेटर की शुरुआत होगी, जो ग्राहकों को 360ए व्यू के साथ प्रोडक्ट का अनुभव करने और अपने प्रोडक्ट्स और सेवाओं को जानकारी उपलब्ध कराएगी। सिट्रोएन आरामदायक और नई तकनीक से पूर्ण है। इस La Maison Citroen फिजिटल शोरूम के माध्यम से हमें विश्वास है कि हम एक भारतीय कार उपभोक्ता को वह दे सकेंगे, जो वे कार खरीदने के बारे में सोचते हैं। हम इस दिशा में एक क्रांति लाने में सक्षम होंगे।

उन्होंने आगे कहा, "सिट्रोएन सी3 के साथ, हम भारत में लाखों ग्राहकों के लिए अपने उत्पाद विकल्पों का विस्तार और मजबूत करना जारी रखेंगे। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के लिए नई सिट्रोएन की प्री-बुकिंग 1 जुलाई, 2022 से शुरू हो गई हैं।"

"ला मैसन सिट्रोएन" पारंपरिक ऑटोमोबाइल डिस्ट्रीव्यूशन से अलग है। यह अपने मैत्रीपूर्ण और खुशनुमा माहौल के साथ घर जैसा महसूस होता है। सामने लगी एक विशाल स्क्रीन लोगों को आकर्षित करती है, उन्हें अंदर जाने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्राकृतिक लकड़ी के फिनिश और रंगीन शिलालेखों की विशेषता वाले अंदरूनी भाग ग्राहकों को सिट्रोएन ब्रांड और इसकी शताब्दी पुरानी विरासत का अनुभव करने के लिए आमंत्रित करती हैं। एक पूर्ण डिजिटल इकोसिस्टम ग्राहकों के डिजिटल अनुभव से जोड़ता है। शोरूम में ATAWA-DAC, रिसेप्शन बार, हाई डेफिनिशन, 3D कॉन्फिगरेटर, Citroen Origins टचस्क्रीन के साथ ग्राहकों को आकर्षित करता है।

सूरत। भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी टाटा मोटर्स ने 01 जुलाई, 2022 को रथ यात्रा के अवसर पर गुजरात में 201 ईवी प्रदान करके सीमाचिन्ह हासिल किया है। देश में स्वच्छ और हरित पर्यावरण के दृष्टिकोण को सहयोग करने और देश में मोबिलिटी के तेजी से इलेक्ट्रीफिकेशन के लिए अपनी प्रतिबद्धता का समर्थन करते हुए कंपनीने अहमदाबाद में 92 ईवी, सूरत में 51 ईवी, राजकोट में 29 ईवी, गांधीधाम में 11 ईवी, गांधीनगर में 10 ईवी और वडोदरा में 8 ईवी डिलीवर की हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)